राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार ,11 सितंबर-2021 वर्ष-4,अंक-230 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारी-बारिश के चलते बाढ़ का कोहराम, यूपी-बिहार से लेकर दक्षिण में पलायन पर मजूबर लोग

नई दिल्ली। भारी बारिश के चलते आई बाढ़ ने देश के कई हिस्सों को अस्त-व्यस्त कर दिया है। यूपी, बिहार से लेकर दक्षिण में तेलंगाना सहित कई राज्यों में लोगों का जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। वहीं पहाड़ी राज्यों से भूस्खलन की घटनाएं भी सामने आ रही है। लोग पलायन पर मजबूर हैं। राज्य सरकारें लगातार अपने स्तर पर इस विपदा से निपटने के लिए इंतजाम कर रही हैं। वहीं मानसूनी बारिश थमने का नाम नहीं ले रही है। पिछले कई दिनों से देश के किसी ना किसी कोने में भारी बारिश दर्ज हो रही है, जिसके चलते मौसम विभाग की तरफ से अलर्ट भी जारी किया गया है। तो आइये जानते हैं कि बाढ़ प्रभावित राज्यों की ताजा स्थिति क्या है।

यूपी के राप्ती नदी में आई, गोरखपुर के गांव का वजूद मिटा-सबसे पहले बात करते हैं यूपी की। यहां पर भारी बारिश के चलते लोगों के घरों में पानी घुस गया है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। इतना ही नहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले दिनों बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण भी किया था। राप्ती नदी में आई बाढ़ ने गोरखपुर के एक गांव का वजूद बिल्कुल मिटा दिया है। इसके अलावा बिजनौर में भा बाढ़ का खतरा बरकरार है। भारी बारिश के बाद कई गावों का संपर्क भी टूट गया है। वहीं बिहार में भी बाढ़ से बुरी स्थिति है। यहां पर लगातार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि यहां पर कई जिलों के गाव बाढ़ की चेपट में है। हालांकि राहत कार्य जारी है। वहीं मूसलाधार बारिश से नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। भारी बारिश के चलते आई बाढ़ के चलते काफी संख्या में लोगों की मौत भी हुई है। दक्षिण का तेलंगाना भी इस वक्त प्रकृतिक आपादा से जूझ रहा है। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने बाढ़ प्रभावित राज्य की समीक्षा की।

गणेश चतुर्थी पर राष्ट्रपति और पीएम मोदी का संदेश

देश में सुख, शांति लेकर आए ये पर्व

नई दिल्ली। देशभर में गणेश चतुर्थी के पावन पर्व की धूम देखने को मिल रही है। इस दिन प्रथम पूजनीय भगवान गणेश जी की विधि- विधान से पूजा- अर्चना की जाती है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस खास अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने भी एक संदेश जारी किया है। पीएम मोदी ने शुक्रवार को ट्वीट कर लिखा कि आप सभी को गणेश चतुर्थी की मंगलकामनाएं। यह पावन अवसर हर किसी के जीवन में सुख, शांति, सौभाग्य और आरोग्य लेकर आए। वहीं राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन करते हुए उत्साह और सद्भाव के वातावरण में त्योहार मनाने की अपील की । राष्ट्रपति ने कहा कि गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। मेरी कामना है कि कोविड के विरुद्ध किए जा रहे हमारे प्रयासों को विघ्नहर्ता गणेश सफल बनाएं और सभी को सुख एवं शांति प्रदान करें। आइए, हम सब कोविड-अनुकूल व्यवहार करते

● इस दिन प्रथम पूजनीय भगवान गणेश जी की विधि- विधान से पूजा- अर्चना की जाती है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस खास अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने भी एक संदेश जारी किया है।

हुए यह त्योहार मनाएं। मनाथ कोविंद ने गणेश चतुर्थी की पूर्व संध्या पर अपने संदेश में कहा था कि ज्ञान, समृद्धि, अच्छे भविष्य के प्रतीक भगवान गणेश के जन्म के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले इस त्योहार में भरपूर उत्साह व उल्लास देखने को मिलता है। इस वर्ष गणेश चतुर्थी के अवसर पर, हम सब मिलकर विघ्नहर्ता भगवान गणेश से प्रार्थना करें कि कोविड-19 महामारी के खिलाफ किए जा रहे वे हमारे प्रयासों को सफल बनाएं और हम सभी को सुख-शांति प्रदान करें।''

सुप्रीम कोर्ट का आदेश

ट्रायल कोर्ट से दोषी ठहराये जाने के बाद हाईकोर्ट न दें जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि एक बार ट्रायल कोर्ट से दंडित हो जाने के बाद दोषियों को जमानत देन पर विचार नहीं किया जा सकता। ट्रायल में दंडित होने के बाद वे निर्दोष होने की मान्यता खो देते हैं, इस मान्यता का अपील पर सुनवाई करते हुए और जमानत देते हुए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। दंडित ठहराये जाने के बाद निर्दोष होने की मान्यता समाप्त हो जाने को देखते हुए हत्या जैसे गंभीर अपराधों में जमानत देते समय हाईकोर्ट को बेहद धीमा होना चाहिए। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड तथा एमआर शाह की पीठ ने ये सामान्य निर्देश इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा हत्या के चार दोषियों को दी गई जमानत के मामले में दिए। हाईकोर्ट ने इस आधार पर दोषियों को जमातन दे दी थी कि दोषी ठहराए जाने के फैसले के खिलाफ उनकी अपील हाईकोर्ट में लंबित हैं। ट्रायल कोर्ट ने चारों को उम्रकैद की सजा दी थी। इस मामले हाईकोर्ट ने यह भी नहीं देखा कि दोषी ठहराए जाने के बाद दोषी कुछ ही दिन जेल में रहे थे। वहीं कोर्ट ने यह भी स्पष्ट नहीं किया था कि मामला लंबित रहने के दौरान उन्हें छोड़ा जा रहा है जबकि उन्होंने मुकदमे की जांच के दौरान उसे प्रभावित करने और पटरी से उतारने की कोशिश भी की थी। साथ ही पोस्टामार्टम की रिपोर्ट से छेड़छाड़ की करवाई थी। हालांकि इससे कुछ दिन पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा था कि उन दोषियों को हाईकोर्ट को जमानत पर रिहा करना चाहिए जिन्होंने अपने जुर्म की आधी से ज्यादा सजा जेल में काट ली है। या ऐसे अभियुक्त जो 60 वर्ष से ऊपर के हैं, उन्हें जामनत दी जाए। सुप्रीम कोर्ट इस हफ्ते के शुरू में ही आगरा और वाराणसी की जेलों में बंद उम्रकैद की सजा काट रहे 97 दोषियों को रिहा करने का आदेश दिया था। ये दोषी 14 वर्ष से ज्यादा जेल में गुजार चुके थे जबकि आईपीसी, 1860 की धारा 55 के अनुसार उनकी उम्रकैद की सजा 14 साल से ज्यादा नहीं हो सकती।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा

चटनी खाने का निर्देश नहीं दे सकते, वैक्सीन लगवाएं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि वह कोविड-19 से बचाव के लिए चटनी का इस्तेमाल करने को नहीं कह सकता। जिन लोगों को इलाज के इस पारंपरिक तरीके का इस्तेमाल करना है वे करें, लेकिन हम इस तरह का कोई सामान्य निर्देश जारी नहीं कर सकते। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस हिमा कोहली की पीठ ने उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें लोगों को कोरोना के इलाज के लिए 'लाल चींटी की चटनी' के इस्तेमाल करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। याचिकाकर्ता नायधर पढियाल का कहना था कि यह चटनी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने का बेहतर उपाय है और यह कोविड

के संक्रमण से बचाने में मदद कर सकती है। पीठ ने कहा कि उनके दावों की जांच के लिए विशेषज्ञ समिति बनाई जानी चाहिए। सुनवाई के दौरान पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि हम सभी पारंपरिक इलाज करते हैं। ऐसा भारत के हर हिस्से में होता है, लेकिन हम पूरे देश को इसके इस्तेमाल का निर्देश नहीं दे सकते। पीठ ने वकील से कहा, आप अपने मुवक्किल को कहें कि वह टीके लगवा लें।

आयुष मंत्रालय ने इस दावे को खारिज कर दिया था

पीठ ने पाया कि आयुष मंत्रालय और सीएसआईआर ने भी याचिकाकर्ता के इस दावे को खारिज कर दिया था। इसके बाद पीठ ने याचिका को खारिज कर दिया। इससे पहले ओडिशा हाईकोर्ट ने भी इस याचिका को खारिज कर दिया था। इसके बाद याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर की थी।

इंतजार खत्म, भारत को जल्द ही मिलेगा एक खुराक वाला टीका

नई दिल्ली। कोरोना वायरस से बचाव के लिए एक खुराक वाले टीके का इंतजार जल्द ही खत्म होगा। अगले महीने से देश में यह टीका उपलब्ध होगा। जानकारी मिली है कि अगले सप्ताह टीके का पहला बैच कसौली स्थित केंद्रीय प्रयोगशाला में जांच के लिए पहुंचेगा। इस बैच को कसौली और पुणे स्थित दो अलग अलग प्रयोगशाला में परखा जाएगा। इस प्रक्रिया में करीब दो सप्ताह का वक्त लग सकता है, जिसके बाद यह वैक्सीन टीकाकरण के लिए उपलब्ध हो सकती है। जॉनसन एंड जॉनसन फॉर्मा कंपनी ने एकल खुराक वाले इस टीके को तैयार किया है। हाल ही में भारत सरकार से कंपनी को आपात इस्तेमाल की अनुमति मिल चुकी है। फिलहाल कंपनी को वैक्सीन आयात करने की अनुमति दी गई है, लेकिन हैदराबाद स्थित फॉर्मा कंपनी बायोलॉजिक ई के साथ हुए

● ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जॉनसन एंड जॉनसन को घरेलू उत्पादन के लिए दोबारा से अनुमति लेनी होगी। इस वैक्सीन की एक खुराक ही काफी है, और इसका पहला बैच अगले एक सप्ताह के अंदर कभी भी भारत आ सकता है।

करार के तहत आगामी दिनों में इसका घरेलु उत्पादन भी शुरू हो जाएगा।

घरेलू उत्पादन के लिए दोबारा लेनी होगी अनुमति

ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जॉनसन एंड जॉनसन को घरेलू उत्पादन के लिए दोबारा से अनुमति लेनी होगी। इस वैक्सीन की एक खुराक ही काफी है, और इसका पहला बैच अगले एक सप्ताह के अंदर कभी भी भारत आ सकता है। बताया कि हाल ही में वैक्सीन जांच के लिए पुणे स्थित लैब को भी मान्यता दी गई है। देश में तीन लैब में यह सुविधा है।

स्कूल खोलने के लिए बच्चों का टीकाकरण जरूरी नहीं

नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल ने कहा कि स्कूल खोलने के लिए बच्चों का टीकाकरण होना जरूरी नहीं है। दुनिया के किसी भी देश में ऐसा नहीं हुआ है। स्कूल खोलने को लेकर बच्चों के लिए कोई शर्त नहीं है। बच्चों की जगह स्कूल स्टाफ का टीकाकरण होना जरूरी है।

मुस्लिम संगठनों ने भी की जातीय जनगणना की मांग, तरीके भी सुझाए

नई दिल्ली। मुस्लिम संगठनों की तरफ से जातीय जनगणना कराने की मांग की गई है और साथ ही सरकार को आगाह किया गया है कि वह जातीय जनगणना की प्रक्रिया को कमजोर करने की कोशिश नहीं करे। संगठनों का कहना है कि सत्ता के गलियारों में इसे डिजिटल तरीके से कराए जाने की चर्चा चल रही है। यदि ऐसा होता है तो गरीब तबके के लोग अपना ब्यौरा इसमें दर्ज नहीं करा पाएंगे। ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज तथा 15 अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों ने गुरुवार को नई दिल्ली में प्रेस कांफ्रेस कर यह ऐलान किया है। महाज के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद लगी

अनवर ने कहा कि जातीय जनगणना व्यापक रूप में होनी चाहिए। इसे डिजिटल तरीके से नहीं कराया जाए क्योंकि इससे गरीब, पिछड़े तबके के लोगों के लिए मुश्किल होगी। उन्होंने कहा कि हिन्दू समाज की भांति मुस्लिम समाज भी कई जातियों एवं उपजातियों में बंटा है, इसलिए सभी जातियों की गणना की जानी चाहिए। इससे जातियों की सही स्थिति सामने आएगी। उन्होंने यह भी मांग की कि पूरे देश में पिछड़ों को पिछड़े और अति पिछड़ों में विभाजित किया जाना चाहिए। साथ ही दलित मुसलमानों एवं ईसाइयों को अनुसूचित जाति का दर्जा दिया जाना चाहिए।

सेना में गहराने लगा है गोरखाओं का संकट!

कालापानी विवाद के बाद नेपाली युवाओं में बदला ट्रेंड

नई दिल्ली। गोरखा जवान भारतीय सेना की रीढ़ हैं। लेकिन कई कारणों से गोरखा सैनिकों की भर्ती कम होने की खबर है। सेना की तरफ से हालांकि कोई ठोस आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए गए हैं, लेकिन सरकारी सूत्रों ने कहा कि नेपाली गोरखे हों या भारतीय, सेना को नहीं मिल पा रहे हैं। सरकारी सूत्रों ने कोई आंकड़ा नहीं बताया लेकिन यह माना की सेना को जरूरत के हिसाब से गोरखे नहीं मिल रहे हैं। दरअसल, पिछले साल नेपाल के साथ कालापानी के मसले पर हुए विवाद के बाद नेपाल में कई समूहों की तरफ से गोरखा नौजवानों से भारतीय सेना में नहीं जाने की अपील की जाने लगी। नेपाल के तत्कालीन राजनीतिक नेतृत्व ने भी 1947 में हुए ब्रिटेन-भारत-नेपाल त्रिपक्षीय समझौते को रद्द कर नए समझौते की मांग कर रखी है। सरकारी सूत्रों की मानें तो यह कोई एक अकेला कारण नहीं है जिससे गोरखाओं का सेना में आना कम हुआ हो। उक्त अधिकारी ने बताया कि ब्रिटेन समेत कई देशों की सेनाओं

में गोरखाओं की भर्ती होती है। सिंगापुर समेत कई देशों की पुलिस में भी गोरखा हैं। उससे भी ज्यादा उनकी मांग निजी सुरक्षा एजेंसियों में बढ़ी है। ईरान से लेकर अफगानिस्तान तक गोरखा सुरक्षाकर्मियों की मांग हाल के दशकों में तेजी से बढ़ी है। इसके अलावा बदलते वक्त के साथ गोरखा परंपरागत सुरक्षा कार्य को छोड़कर दूसरे कार्य में भी लग गए हैं। जहां वह कहीं ज्यादा पैसा कमा रहे हैं। इसलिए सेना में जाना उनकी प्राथमिकता से घट रहा है। और तो और शहरों में मोमोज बेचकर गोरखा ज्यादा पैसा कमा रहे हैं, ऐसे में वह सुरक्षा जैसे जोखिमपूर्ण पेशे से विमुख हो रहे हैं।

सेना में सात गोरखा रेजीमेंट-सेना में सात गोरखा रेजीमेंट हैं, जिनकी 39 बटालियनें हैं। छह रेजिमेंट ब्रिटिश सेना से ही 1947 में हुए समझौते के तहत मिली थी। तब चार रेजिमेंट ब्रिटेन ने खुद भी रख ली थी। एक रेजिमेंट देश में आजादी के बाद बनी। मौजूदा 39 बटालियन में आखिरी बटालियन 2015 में बनी थी। यह बटालियन विशेष रूप से भारतीय गोरखाओं के लिए बनी।

अभी 32 हजार गोरखा जवान कार्यरत-सेना में करीब 32 हजार गोरखा जवान कार्यरत हैं, जिनमें से ज्यादातर नेपाली गोरखा हैं। हर साल एक से डेढ़ हजार गोरखा सेना में भर्ती होते हैं। अब यह संख्या घटने लगी है। ब्रिटिश काल में गोरखा रेजिमेंट की स्थापना 1815 में अल्मोड़ा में हुई थी। हालांकि, 17वीं सदी में ईस्ट इंडिया कंपनी में गोरखाओं को सुरक्षा गार्ड के रूप में भर्ती किया जाने लगा था।

भारत के लिए जताई गई आशंका अमेरिकी बच्चों पर सही साबित हुई

7 दिनों में रिकॉर्ड 2.5 लाख मासूम कोरोना संक्रमित

नई दिल्ली। तीसरी लहर में भारतीय बच्चों को लेकर जताई गई आशंका अमेरिकी बच्चों पर सच साबित होती दिख रही है। यहां बच्चों पर कोरोना का कहर टूट पड़ा है। इस समय अमेरिका के अस्पतालों में कुल 2396 कोरोना संक्रमित बच्चे भर्ती हैं, जो अब तक का रिकॉर्ड है। यही नहीं, बीते एक सप्ताह के दौरान बच्चों में संक्रमण के 2.5 लाख से ज्यादा मामले सामने आए और ये भी अपने आप में रिकॉर्ड है। महामारी की शुरुआत से लेकर अब तक एक हफ्ते में बच्चों के संक्रमित होने की यह सर्वाधिक संख्या है।

फिलहाल अमेरिका में मिल रहे नए कोरोना संक्रमितों में 26 फीसदी केवल बच्चे हैं। अमेरिकी अकादमी ऑफ पेडियाट्रिक्स के मुताबिक 5 अगस्त से 2 सितंबर के बीच यानी लगभग चार सप्ताह के भीतर बच्चों में संक्रमण के 7, 50, 000 नए मामले सामने आए। यह बेहद डराने वाला आंकड़ा है। गनीमत ये है कि बच्चों की मृत्यु दर काफी कम बनी हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, अभी तक 520 बच्चों की कोविड से मौत हुई है।

अगस्त, 2020 से अब तक अस्पताल में भर्ती होने वाले बच्चों की संख्या 55 हजार के आंकड़े को पार कर चुकी है। अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसी सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के मुताबिक 6 सितंबर को खत्म हुए हफ्ते में प्रतिदिन 369 से

● अमेरिकी अकादमी ऑफ पेडियाट्रिक्स के मुताबिक 5 अगस्त से 2 सितंबर के बीच यानी लगभग चार सप्ताह के भीतर बच्चों में संक्रमण के 7, 50, 000 नए मामले सामने आए।

अधिक संक्रमित बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। हालांकि विशेषज्ञ बच्चों के संक्रमित होने का एक मात्र कारण स्कूल खुलने को नहीं मान रहे हैं। इसलिए देशभर में डेल्टा वेरिएंट के कहर को देखते हुए संक्रमित होने वाले बच्चों की संख्या में और बढ़ोतरी की आशंका जताई गई है।

आपको बता दें कि वायरस ज्यादातर उन्हीं को संक्रमित कर रहा है जिनको टीका नहीं लगाया गया है। कोलंबिया यूनिवर्सिटी के इर्विंग मेडिकल सेंटर के प्रोफोसर डॉ. एडिथ ब्राचो-सांचेज ने हालात को चिंताजनक करार दिया है। उधर, सीडीसी ने भी कहा है कि स्कूलों को संचालन जारी रखने के लिए यह जरूरी है कि बच्चों को संक्रमण से बचाया जाए। भर्ती करीब आधे बच्चों को कोई पूर्व बीमारी नहीं सीडीसी के मुताबिक अस्पताल में भर्ती अमेरिकी बच्चों में से करीब 46.4 फीसदी को कोई पूर्व बीमारी नहीं थी। इससे यह भ्रम टूट जाता है कि स्वस्थ बच्चों में कोरोना संक्रमण का खतरा किसी पूर्व बीमारी से जूझ रहे बच्चों की अपेक्षा कम रहता है।

मिस-सी का खतरा बढ़ा- अमेरिका में बड़ी संख्या में कोरोना संक्रमित बच्चे मल्टी इंफ्लामेंटरी सिंड्रोम इन चिल्ड्रेन (मिस-सी) नामक बीमारी से ग्रस्त हुए। सीडीसी के मुताबिक 4661 बच्चे मिस-सी से पीड़ित हुए जिसमें से 41 की मौत हो गई। इस बीमारी में शरीर के विभिन्न अंदरूनी अंगों जैसे कि लीवर, मस्तिष्क आदि में सूजन आ जाती है।

25 फीसदी बच्चों का पूर्ण टीकाकरण- अमेरिका में 12 साल या इससे अधिक उम्र के बच्चों को टीका लगाया जा रहा है। सीडीसी के मुताबिक 12 से 15 साल के 25 फीसदी अमेरिकी बच्चों को कोरोना रोधी टीके की दोनों खुराक लगाई जा चुकी है। इस आयु वर्ग में 33 फीसदी बच्चों को टीके की एक खुराक दी गई है। 16 से 17 साल के बच्चों में 37 फीसदी को दोनों खुराक दी जा चुकी है, जबकि 45 फीसदी को एक खुराक दी गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अभी भी दूसरी लहर

भारत में कोरोना के मामले फिर बढ़ते दिख रहे हैं। देश में कुल कोरोना मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है, क्योंकि जहां बुधवार को 40,567 मरीज ठीक हुए, वहीं नए मामलों की संख्या 43,263 रही है। मरीजों की संख्या क्यों बढ़ रही है, इसका जवाब खोजना बहुत मुश्किल नहीं है। हर जगह बढ़ती भीड़ और बचाव के प्रति लापरवाही जवाब दे रही है। भारत ही नहीं, प्रसिद्ध बायोबबल में रहकर इंग्लैंड में क्रिकेट खेल रहे खिलाड़ी और टीम स्टाफ भी संक्रमण के साये में हैं। मतलब हर जगह लापरवाही बढ़ी है, नतीजा सामने है। गृह मंत्रालय के निर्देश पर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट की तरफ से एक रिपोर्ट तैयार की गई है, जिसमें अक्तूबर में तीसरी लहर की आशंका जताई गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर टीकाकरण की रफ्तार को नहीं बढ़ाया गया, तो तीसरी लहर में प्रतिदिन मामले छह लाख तक पहुंच सकते हैं। सभी को कोशिश करनी चाहिए कि वह नौबत न आए। हमें सोचना होगा। विशेष रूप से केरल और महाराष्ट्र को राहत का एहसास नहीं हो रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को जानकारी दी है कि पिछले सप्ताह आए कोरोना वायरस के कुल मामलों में करीब 70 फीसदी (68.59 प्रतिशत) मामले अकेले केरल के थे। यह कहने में कोई हर्ज नहीं कि विशेष रूप से केरल को कोरोना की दूसरी लहर से अभी भी मुक्ति नहीं मिली है। केंद्र सरकार के साथ मिलकर केरल सरकार को इस पर पूरा फोकस करना चाहिए। अभी देश के 35 जिलों में साप्ताहिक कोविड संक्रमण दर 10 प्रतिशत से अधिक और 30 जिलों में 5 से 10 प्रतिशत के बीच है। अभी भले ही देश के 38 जिलों से ही सौ से अधिक मामले आ रहे हैं, लेकिन तब भी हमें इन मामलों और इन इलाकों को गंभीरता से लेना चाहिए। केरल में युद्ध स्तर पर कोशिश की जरूरत है। यह अपेक्षाकृत विकसित राज्य पूरे देश को चिंता में डाल रहा है। क्या केरल के लिए कोई विशेष योजना बनाई जा सकती है? क्या केरल में सौ प्रतिशत टीकाकरण युद्ध स्तर पर पूरा नहीं करना चाहिए? क्या चिकित्सा जगत से केरल को पूरी मदद मिल रही है? केरल खुद को संभाल ले, तो कुल मामलों में 60 प्रतिशत से भी ज्यादा कमी आ जाएगी। विशेषज्ञों ने बच्चों को लेकर सावधानी बरतने की ताजा चेतावनी दी है, तो बच्चों के टीकाकरण में समय लगेगा, अत- स्कूल खोलने की जल्दी करने से पहले सोच-विचार लेना चाहिए। भ्रम की स्थिति दूर होनी चाहिए। एक ओर कहा जाता है कि बच्चों से कोरोना फैलने का प्रमाण नहीं है, तो दूसरी ओर चेताया जाता है कि बच्चों को बचाकर रखें। टीकाकरण में वाकई तेजी आई है, मई में हम प्रतिदिन 20 लाख टीके ही लगा पा रहे थे, लेकिन सितंबर में करीब 78 लाख टीके प्रतिदिन लग रहे हैं। कोई शक नहीं, इस रफ्तार को दो से तीन गुना कर देना चाहिए, ताकि जल्दी से जल्दी सबको सुरक्षित किया जा सके।अफसोस, अभी हम 60 प्रतिशत लोगों को भी टीके की पहली डोज और 20 प्रतिशत लोगों को भी दूसरी डोज नहीं दे पाए हैं, तो हमें लंबा रास्ता तय करना है, अत- रफ्तार बढ़ जानी चाहिए। विशेषज्ञों की सलाह को गौर से सुनना चाहिए। खुद को और दूसरों को भी संक्रमण से बचाने की फिक्र बनी रहनी चाहिए, क्योंकि 18 से कम उम्र की हमारी आबादी का तो अभी टीका ही नहीं आया है।

‘आज के ट्वीट

गणपति बाप्पा मोरया!

आप सभी को गणेश चतुर्थी की मंगलकामनाएं। यह पावन अवसर हर किसी के जीवन में सुख, शांति, सौभाग्य और आरोग्य लेकर आए। गणपति बाप्पा मोरया!

-- पीएम नरेंद्र मोदी

मंगलमूर्ति करते हैं मंगल ही मंगल

– डॉ. दीपक आचार्य

गणेश चतुर्थी से आरंभ हुआ गणेशोत्सव पर्व देश-दुनिया में मंगलमूर्ति व सर्वप्रथम पूजे जाने वाले भगवान गणेश जी को समर्पित हैं। भगवान विनायक की आराधना से शुरू होने वाले हर कार्य निर्विघ्न व सफलता के साथ पूर्ण होते हैं। भगवान गणपति के प्राकट्य से लेकर उनकी सारी लीलाओं के मर्म को आत्मसात करने की आज जरूरत है। भगवान विनायक की विविध उपचारों से पूजा जरूर करें, पर साथ ही उनके स्थूल शरीर व कर्मयोग को भी जानें और उनसे सीखें। भगवान गणपति का स्थूल शरीर व प्रत्येक अंग-उपांग हमें किसी न किसी प्रकार से शाश्वत मूल्यों से भरा संदेश देता है। इसमें यह भी संकेत छिपा हुआ है कि मनुष्य को अपने प्रत्येक अंग का समुचित, मितव्ययी व मंगलदायी प्रयोग करना चाहिए। ऐसा होने पर जीवन के प्रत्येक कर्म में माधुर्य की अजस्र सरणियाँ बहने लगती हैं तथा मनुष्य का संसार के प्रति दृष्टिकोण बदल कर लोक मंगलकारी, बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय हो जाता है। मंगलमूर्ति भगवान श्री गणेश जी के हर अंग से प्रेरणा का संचार होता है। जरूरत यह है कि हम इन संकेतों को समझें और इसके अनुरूप आचरण करें। समग्र जीवन में इन संकेतों का रहस्य एक बार आत्सात कर व्यवहार में आना शुरू हो जाता है तब अपना पूरा जीवन तो मंगलमय हो ही जाता है, अपने सम्पर्क में आने वाले लोगों पर मंगलवृष्टि होने लगती है। मंगलमूर्ति का विशाल उदर यह बताता है कि जो बातें आप तक पहुंचती रहती हैं, उन्हे वापस किसी और को परोसने की बजाय अपने पेट में ही पचा लेने की क्षमता रखें। ऐसा होने पर जीवन की रोजमर्रा सामने आने वाली ढेरों समस्याओं का समाधान अपने आप हो जाता है क्योंकि जो बातें सुनी जाती हैं, उसे कोई भी सामान्य आदमी अपने पास रख नही पाता। उसे इन बातों को जितना जल्द से जल्द हो दूसरों के सुनाने की आतुरता पूरे वेग भरी तीव्रता के साथ बनी रहती है। फिर यही बातें जब आगे से आगे बढ़ती चलती रहती हैं तब कई नए मसाले इसमें मिश्रित होते जाते हैं। आजकल दोहरे-तिहरे चरित्र वाले, विश्वासघाती मसालचियों और चाहे कहीं आग लगा और लगवा देने वाले मशालचियों की हर जगह भरमार है। ऐसे में कौनसी शुद्ध और शाकाहारी बात कब किसी मोड़ पर पहुँचकर लजीज और तड़केदार हिंसक मसालेदार और गरम तासीर भरी हो जाए, इसका कुछ नहीं कहा जा सकता। इस अवस्था में कही गई तथा दूसरों को परोसी जाती रहने वाली बातें न मौलिक रह पाती हैं, न अपनी शुद्धता ही बचाये रख पाती हैं। यही स्थिति कलह, कपट, द्वेष व कुटिलता के साथ संघर्षो को जन्म देती है। अपने तक पहुँचने वाली बातों या प्रतिक्रियाओं को अपने स्तर पर ही दफन कर दिया जाए, तो कोई बात आगे बढ ही नहीं पाती। इसलिए जीवन व्यवहार और लोक सम्पर्क के मामले में सदा-सर्वदा भारी रहें तथा दुनियावी बातों को पेट में ही रख पाने का सामर्थ्य बनाये रखें, इससे कई विघ्नों का शमन अपने आप ही हो जाएगा। इसी प्रकार सूपड़े की तरह कान होने के कारण भगवान गणेश को शूर्पकर्णकं कहा जाता है। इसका संकेत यह है कि जो बातें या विचार आपके जीवन के लिए उपयोगी हैं उन्हें ही सुने, बाकी अनुपयोगी, नकारात्मक व फालतु बातों को हवा में ही उड़ा दें, इन पर न गौर करें, न अपने कानों में घुसने ही दें। इससे अपने कान दूषित होने से बचे रहेंगे। यों भी जो विषय, वस्तु या विचार अपने काम का नहीं है, उसे अपने से दूर ही रखना चाहिए। गणेश भगवान की लम्बी सूण्ड आगत को दूर से ही पहले से सूंघ लेने का संकेत करती है वहीं छोटी-छोटी आँखें सूक्ष्म से सूक्ष्म दृष्टि रखने व तीखी- पैनी निगाह की जरूरत बताती हैं। लम्बोदर का एकदंत अद्वैतवाद और लक्ष्य के प्रति एकाग्रता के चिन्तन का उद्घोष करता है। विशालकाय मस्तक बौद्धिक क्षमताओं से परिपूर्ण अथाह और अपार ज्ञान एवं अनुभवों के भण्डार को अभिव्यक्त करता है। मूषक की सवारी इस बात को इंगित करती है कि कोई भी व्यक्ति बल, बुद्धि विद्या और सभी प्रकार से सम्पन्न हो तब भी उसे इतना अहंकार मुक्त होना चाहिए कि वह जमाने पर भार न रहे, न जमाना इन्हें भार समझे। अर्थात व्यक्ति को सब कुछ होते हुए भी हल्केपन का अहसास बना रहना चाहिए। आम तौर पर आजकल होता यह है कि थोड़ा सा रुपया पैसा या मामूली पद मिल जाए, किसी बड़े आदमी के इर्द-गिर्द रहने और दया, करुणा एवं अनुकंपा पाने का मौका मिल जाए, किसी बाहुबली, धन बली या खूंखार नरपिशाच की निगाह मिल जाए, तब जमाने के सत्य और मानव जीवन के लक्ष्य से बेखबर लोग फूल कर इतना कुप्पा हो जाते हैं कि अपने आस-पास वालों से लेकर पूरे क्षेत्र में धींगामस्ती और वसूली करने लग जाते हैं, लोगों को इन आकाओं के नाम पर डराने-धमकाने लग जाते हैं और राक्षसों की तरह बर्ताव करने पर आमादा रहते हैं। ऐसे में किसी न किसी की दया और मेहरबानी पर पलने वाले ये मूर्ख और भौंदू लोग हम चौड़े-बाजार संकरा वाली स्थिति में आ जाते हैं, इनका डीलडौल और चाल तक बदल जाती है और देख कर ही लगता है कि ये किसी राक्षस के कलेवर में ढलते जा रहे हैं। मंगलमूर्ति भगवान गणेश का स्थान मूलाधार चक्र में है और यह चक्र पृथ्वी तत्व से संबंध रखता है। मूलाधार चक्रस्थ भगवान गणेश यह बताते हैं कि व्यक्ति को हमेशा से जमीन से जुड़े रहना चाहिए वरना हवा ही हवा में बातें करने व रहने वाले लोगों की एक समय बाद न जमीन रहती है न जमीर। जमीन से जुड़ा व्यक्ति ही अपनी ऊर्ध्व दैहिक यात्रा शुरू कर सकता है, दूसरे कोई नही। भगवान विनायक को समर्पित किए जाने वाले फल-फूलादि, नैवेद्य आदि का भी अपना महत्त्व है। वर्षा ॠतु में वानस्पतिक नवपल्लवों वाली वाड़ी प्रकृति के उपहारों का समर्पण बताती है। भगवान को दूर्वा अत्यंत प्रिय है। दूर्वा अजर-अमर रहने व निरंतर वंशवृद्धि का वरदान देने वाली है। यह अपने आप में सभी प्रकार की निरन्तर प्रगति की प्रतीक है जो कि अन्तहीन सृजन धर्म व रचनात्मक गतिशीलता में रमे रहने का संदेश देती है। मंगलमूर्ति के स्मरण से जीवन तो मंगलमय होता ही है, उनके गहन मर्म को जान लेने पर परिवेश और सृष्टि भी मंगलवृष्टि करती प्रतीत होती है। यही कारण है कि भगवान गणेशजी के उपासक ऋद्धि-सिद्धि के साथ जीवन के तमाम आनंद को प्राप्त करने में आगे ही आगे रहते हैं।

आनंदोत्सव

आचार्य रजनीश ओशो/ उत्सव क्या है? जब आनंद उपलब्ध होता है और उसे कहने का कोई उपाय नहीं मिलता तो उस असहाय अवस्था में उत्सव पैदा होता है। उत्सव, आनंद को भाषा में व्यक्त नहीं किया जा सकता, इसलिए पैदा होता है। नाच कर कोई कहता है! जो नहीं कहा जा सकता वाणी से, बांसुरी बजा कर कहता है। कृष्ण ने बांसुरी बजाई। नहीं कह सकता, नहीं बतला सकता, तो अपनी अलमस्ती से, अपने होने से उसके प्रमाण देता है वही उत्सव है। धार्मिकता, सभ्यता और संस्कृति ही भारत की अनूठी पहचान है। इसी के कारण भारतीय सभ्यता दुनिया के अन्य देशों की सभ्यता से सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है। इसी धरती पर कृष्ण, राम और नानक, ने जन्म लेकर भारत की धरा को पावन किया है। जो मनुष्य को मर्यादा, कर्तव्य और सत्य के मार्ग पर चलने के लिए हमेशा प्रेरित करते रहे हैं। व्रत, त्यौहार और उत्सव हमारी संस्कृति की अद्वितीय पहचान हैं। वो पल हैं जो जीवन में खुशियों और उल्लास का संगीत भर देते हैं। आधुनिक मानव विकास की दौड़ में चकाचौंध व अत्यधिक कामकाजी होने के कारण खुशी व आनंद के पलों से वंचित होता जा रहा है, जिसे उत्सव आनंदित होने का बेहतर मौका प्रदान करते हैं। भारतीय सनातन धर्म में सदैव त्यौहारों और उत्सवों का विशेष महत्त्व रहा है। पवरे के इसी क्रम में दीपों का त्यौहार आता है, जिसे दीपावली कहते हैं। देश भर में यह दिन बहुत ही महत्त्वपूर्ण होता है। हर जगह खुशियों ही खुशियों के दीपक जलाए जाते हैं। कहीं पर भी अंधेरे का नामोनिशान नहीं होता। चारों तरफ प्रकाश ही प्रकाश होता है। आनंद, खुशी और प्रकाश का ऐसा संगम हमें दीपावली के दिन ही देखने को मिलता है। लेकिन वास्तव में हमें इस पर्व का असीम आनंद तभी मिल सकता है जब हम इस दिन तमाम व्यसनों, जुआ और शराब जैसी बुराइयों से दूर रहकर उत्सव के आनंद में आनंदित होकर झूम उठें। ओशो कहते हैं-ज्योति जलाओ। भीतर दीये की ज्योति को उकसाओ। बुझ नहीं गई है क्योंकि तुम्हें बोध हो रहा है कि जीवन व्यर्थ गया। किसे यह बोध हो रहा है? उस बोध का नाम ही ज्योति है। यह कौन तिलमिला गया है? कौन नींद से जाग उठा है? कौन-जिसका स्वप्न टूट गया है? इसी को पकड़ो। सम्हालो। इसी धीमी-सी उठती आवाज को सारा जीवन दो। इसी धीमी-सी जगमगाती लौ को पूरी ऊर्जा दो। और तुम्हारे भीतर प्रज्वलित अग्नि, जो तुम्हारे अहंकार को गलाएगी, तुम्हारे अंधकार को काटेगी, और तुम्हारे लिए परम प्रकाश का पथ बन जाएगी।

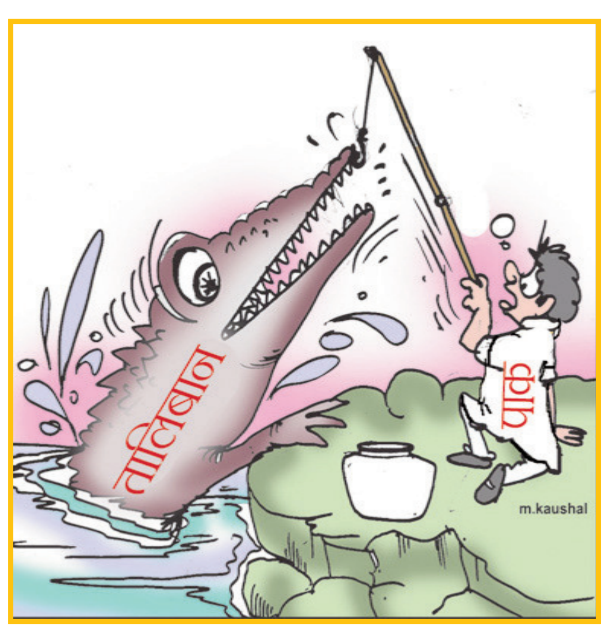

आज का राशिफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से धन लाभ के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे।

कर्क संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भारी व्यय की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

तुला जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय हो सकता है।

कुम्भ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी। धार्मिक यात्रा भी हो सकती है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

सदैव याद रहेगा स्वामी विवेकानंद का शिकागो भाषण

शिकागो वक्तृता दिवस 11 सितम्बर पर विशेष/ लेखक- योगेश कुमार गोयल)

युवाओं के प्रेरणास्रोत तथा आदर्श व्यक्त्वि के धनी माने जाते रहे स्वामी विवेकानंद को उनके ओजस्वी विचारों और आदर्शों के कारण ही जाना जाता है। सही मायनों में वे आधुनिक मानव के आदर्श प्रतिनिधि थे। विशेषकर भारतीय युवाओं के लिए तो भारतीय नवजागरण का अग्रदूत उनसे बढ़कर अन्य कोई नेता नहीं हो सकता। कोलकाता में 12 जनवरी 1863 को जन्मे स्वामी विवेकानंद अपने 39 वर्ष के छोटे से जीवनकाल में समूचे विश्व को अपने अलौकिक विचारों की ऐसी बेशकीमती पूंजी सौंप गए, जो आने वाली अनेक शताब्दियों तक समस्त मानव जाति का मार्गदर्शन करती रहेगी। वे एक ऐसे महान व्यक्तित्व थे, जिनकी ओजस्वी वाणी सदैव युवाओं के लिये प्रेरणास्रोत बनी रही। उन्होंने देश को सुदृढ़ बनाने और विकास पथ पर अग्रसर करने के लिए सदैव युवा शक्ति पर भरोसा किया। दरअसल युवा वर्ग से उन्हें बहुत उम्मीदें थी। स्वामी जी ने 11 सितम्बर 1893 को शिकागो के विश्व धर्म सम्मेलन में हिन्दू धर्म पर अपने प्रेरणात्मक भाषण की शुरूआत ‘मेरे अमेरिकी भाईयों और बहनों’ के साथ की तो बहुत देर तक तालियों की गड़गड़ाहट होती रही। अपने उस भाषण के जरिये उन्होंने दुनियाभर में भारतीय अध्यात्म का डंका बजाया। विदेशी मीडिया और वक्ताओं द्वारा भी स्वामीजी को धर्म संसद में सबसे महान व्यक्तित्व और ईश्वरीय शक्ति प्राप्त सबसे लोकप्रिय वक्ता बताया जाता रहा। स्वामी विवेकानंद की चर्चा जब भी होती है तो अमेरिका के शिकागो की धर्म संसद में वर्ष 1893 में दिए गए उनके उस ओजस्वी भाषण की चर्चा अवश्य होती है। उसी ओजस्वी भाषण को यादगार बनाए रखने और युवाओं को उस भाषण के जरिये ऊर्जावान बनाए रखने के लिए ही प्रतिवर्ष 11 सितम्बर का दिन ‘शिकागो वक्तृता दिवस’ के रूप में मनाया जाता है। यह स्वामी विवेकानंद का अद्भुत व्यक्तित्व ही था कि वे यदि मंच से गुजरते भी थे तो तालियों की गड़गड़ाहट होने लगती थी। युवाओं की अहम् भावना को खत्म करने के उद्देश्य से ही स्वामी विवेकानंद ने अपने एक भाषण में कहा था कि यदि तुम स्वयं ही नेता के रूप में खड़े हो जाओगे तो तुम्हें सहायता देने के लिए कोई आगे नहीं बढ़ेगा। इसलिए यदि सफल होना चाहते हो तो सबसे पहले अपने अहम् का नाश कर डालो। उनका कहना था कि मेरी भविष्य की आशाएं युवाओं के चरित्र, बुद्धिमत्ता, दूसरों की सेवा के लिए सभी का त्याग और आज्ञाकारिता, खुद को और बड़े पैमाने पर देश के लिए अच्छा करने वालों पर निर्भर है।

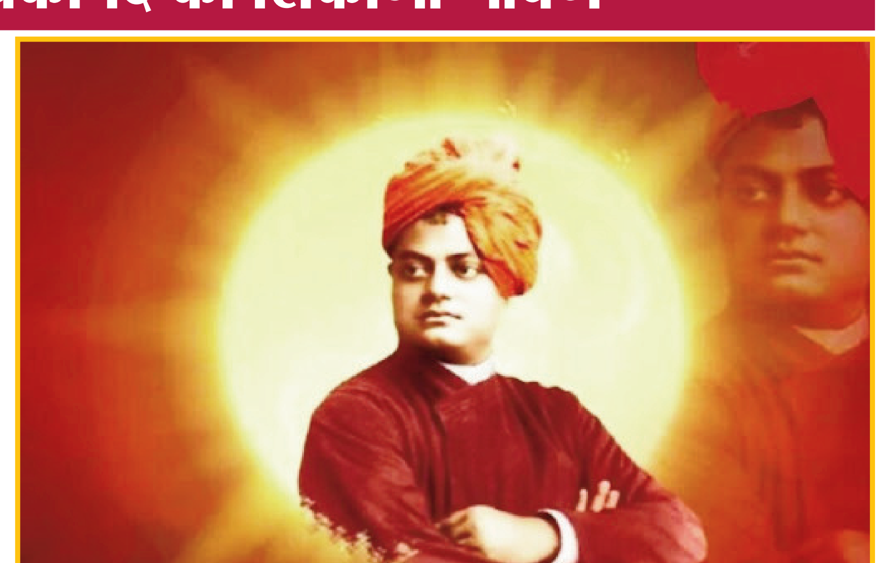

स्वामी विवेकानंद ने युवा शक्ति का आव्हान करते हुए अनेक मूलमंत्र दिए, जो देश के युवाओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। उनका कहना था, ‘‘ब्रह्मांड की सारी शक्तियां पहले से ही हमारी हैं। वो हम ही हैं, जो अपनी आंखों पर हाथ रख लेते हैं और फिर रोते हैं कि कितना अंधकार है। मेरा विश्वास युवा पीढ़ी में है, आधुनिक पीढ़ी से मेरे कार्यकर्ता आ जाएंगे। डर से भागो मत, डर का सामना करो। यह जीवन अल्पकालीन है, संसार की विलासिता क्षणिक है लेकिन जो दूसरों के लिए जीते हैं, वे वास्तव में जीते हैं। जो भी कार्य करो, वह पूरी मेहनत के साथ करो। दिन में एक बार खुद से बात अवश्य करो, नहीं तो आप संसार के सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति से मिलने से चूक जाओगे। उच्चतम आदर्श को चुनो और उस तक अपना जीवन जीयो। सागर की तरफ देखो, न कि लहरों की तरफ। महसूस करो कि तुम महान हो और तुम महान बन जाओगे। काम, काम, काम, बस यही आपके जीवन का उद्देश्य होना चाहिए। धन पाने के लिए कड़ा संघर्ष करो पर उससे लगाव मत करो। जो गरीबों में, कमजोरों में और बीमारियों में शिव को देखता है, वो सच में शिव की पूजा करता है। पृथ्वी का आनंद नायकों द्वारा लिया जाता है, यह अमोघ सत्य है, अत: एक नायक बनो और सदैव कहो कि मुझे कोई डर नहीं है। मृत्यु तो निश्चित है, एक अच्छे काम के लिए मरना सबसे बेहतर है। कुछ सच्चे, ईमानदार और ऊर्जावान पुरुष और महिलाएं एक वर्ष में एक सदी की भीड़ से अधिक कार्य कर सकते हैं। विश्व एक व्यायामशाला है, जहां हम खुद को मजबूत बनाने के लिए आते हैं।’’ युवा शक्ति का आव्हान करते हुए स्वामी जी ने एक मंत्र दिया था, ‘उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत’ अर्थात् ‘उठो, जागो और तब तक मत रूको, जब तक कि मंजिल प्राप्त न हो जाए।’ ऐसा अनमोल मूलमंत्र देने वाले स्वामी विवेकानंद ने सदैव अपने क्रांतिकारी और तेजस्वी विचारों से युवा पीढ़ी को ऊर्जावान बनाने, उसमें नई शक्ति एवं चेतना जागृत करने और सकारात्मकता का संचार करने का कार्य किया। उनका कहना था कि अधिकांश लोग तो भेड़ों के झुंड के समान हैं। यदि आगे की एक भेड़ गड्ढे में गिरती है तो पीछे की सभी भेड़ें भी उसमें गिरती जाती हैं। इसी प्रकार समाज का मुखिया भर जब कोई बात कहता है तो दूसरे लोग भी उसका अनुकरण करने लगते हैं लेकिन यह नहीं सोचते कि वे कर क्या रहे हैं। जब मनुष्य को ये सांसारिक बातें निस्सार प्रतीत होने लगती हैं, तब वह सोचता है कि वह अपनी वृत्ति के हाथों का खिलौना बन चुका है और उस समय वह चाहता है कि खिलौना बनकर वह उसके बहकावे में न आए क्योंकि यह तो गुलामी है। स्वामी जी ने 1 मई 1897 को कलकत्ता में रामकृष्ण मिशन तथा 9 दिसम्बर 1898 को कलकत्ता के निकट गंगा नदी के किनारे बेलूर में रामकृष्ण मठ की स्थापना की थी। इसी रामकृष्ण मठ में 4 जुलाई 1902 को ध्यानमग्न अवस्था में महासमाधि धारण किए वे चिरनिद्रा में लीन हो गए।

स्पीकर कंपनी boAt भी लाएगी आईपीओ, 3500 करोड़ रुपए तक जुटाने का प्लान

बिजनेस डेस्क: कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड boAt लाइफस्टाइल ने अगले साल की शुरुआत में आईपीओ (**Initial Public Offering**) लाने की योजना बनाई है। कंपनी इस आईपीओ के माध्यम से 3,000 से 3,500 करोड़ रुपए जुटाने की कोशिश में है। प्रबंधन ने निवेश बैंकरों के साथ चर्चा की है और कुछ हफ्तों में मैंडेट पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, **boAt** की वैल्यू 11,000 करोड़ रुपए के आसपास रहने की संभावना है। कंपनी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि डीआरएचपी कुछ महीनों में दाखिल किया जाएगा और आईपीओ 2022 की शुरुआत में आने की उम्मीद है। गौरतलब है कि समीर मेहता और अमन गुप्ता द्वारा 2016 में स्थापित मुंबई मुख्यालय वाली कंपनी **boAt**, हेडफोन, इयरफोन, वियरेबल्स, स्पीकर और संबंधित एक्सेसरी जैसे चार्जर और केबल बेचती है। अमेरिका स्थित निजी इक्विटी फंड **Warburg Pincus, boAt** की सबसे बड़ी निवेशक है। इसकी कंपनी में करीब 30% हिस्सेदारी है। अन्य निवेशकों में क्वालकॉम वेंचर्स और फायरसाइड वेंचर्स शामिल हैं, जिनकी एक साथ 5% से कम हिस्सेदारी है।

फ्यूचर ग्रुप को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, नहीं जब्त होगी ग्रुप की संपत्तियां

बिजनेस डेस्क: सुप्रीम कोर्ट ने फ्यूचर ग्रुप की संपत्ति जब्त करने के दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश पर चार हफ्ते के लिए रोक लगा दी है। फ्यूचर रिटेल, फ्यूचर कूपन और फ्यूचर ग्रुप के प्रमोटर किशोर बियानी को इससे बड़ी राहत मिली है। दिल्ली हाई कोर्ट की सिंगल जज वाली बेंच ने मार्च में फ्यूचर ग्रुप की कंपनियों- फ्यूचर रिटेल और फ्यूचर कूपन की संपत्तियों को कुर्क करने का आदेश दिया था। उच्चतम न्यायालय ने अमेजन की अपील पर फ्यूचर ग्रुप के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में चल रही सभी कार्रवाई पर रोक लगा दी। दिग्गज अमेरिकी रिटेलर ने सिंगापुर के इमर्जेंसी आर्बिट्रेटर अवॉर्ड को लागू कराने की अपील दिल्ली हाई कोर्ट में की थी। अवॉर्ड में फ्यूचर ग्रुप को रिलायंस रिटेल के साथ 24,731 करोड़ रुपए की मर्जर डील करने से रोका गया है।

हाई कोर्ट, CCI, NCLT और SEBI में चल रही कार्रवाई पर रोक

चीफ जस्टिस एन वी रमना की अगुवाई वाली बेंच ने कहा, मामले में दिल्ली हाई कोर्ट और दूसरी अथॉरिटीज- **CCI, NCLT** और **SEBI** में चल रही सभी कार्रवाई पर रोक लगाई जाती है। किसी भी मामले में अगले चार हफ्ते तक अंतिम आदेश जारी नहीं किया जाएगा। तब तक अमेजन की अपील पर फ्यूचर की आपत्ति को लेकर इमर्जेंसी आर्बिट्रेटर का फैसला आ जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में फ्यूचर ग्रुप का पक्ष रख रहे सीनियर एडवोकेट हरीश साल्वे और मुकुल रोहतगी और अमेजन के वकील सीनियर एडवोकेट गोपाल सुब्रह्मण्यम की दलीलें सुनने के बाद आदेश जारी किया। 3 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वह दिल्ली हाई कोर्ट के ऑर्डर को चुनौती देने वाली फ्यूचर रिटेल की याचिका पर नई तारीख देगा।

सुप्रीम कोर्ट से की थी जल्द सुनवाई करने की अपील

फ्यूचर रिटेल के वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट से मामले की जल्द सुनवाई करने की अपील की थी। हाई कोर्ट ने कहा था कि उच्चतम न्यायालय से स्टे नहीं मिलने पर इमर्जेंसी आर्बिट्रेटर अवॉर्ड को लागू कराया जाएगा। उसने सुनवाई की अगली तारीख 16 सितंबर तय की थी, इसलिए कंपनी के वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट से मामला 9 सितंबर को सुनने की अपील की।

अक्टूबर-दिसंबर 2020 में बेरोजगारी दर बढ़कर 10.3 प्रतिशत रही: एनएसओ सर्वेक्षण

नई दिल्ली:

शहरी क्षेत्रों में सभी उम्र के लिए बेरोजगारी दर अक्टूबर-दिसंबर 2020 में बढ़कर 10.3 प्रतिशत हो गई, जबकि इससे एक साल पहले के इन्हीं महीनों में यह 7.9 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा किए गए आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण में यह आंकड़ा सामने आया है। बेरोजगारी या बेरोजगारी दर (यूआर) को श्रम बल में बेरोजगार व्यक्तियों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया जाता है। नौवें आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के अनुसार शहरी क्षेत्रों में सभी उम्र के लिए बेरोजगारी दर जुलाई-सितंबर 2020 में 13.3 प्रतिशत थी। सर्वेक्षण के पाया गया कि शहरी क्षेत्रों में सभी उम्र के लिए श्रम बल भागीदारी दर अक्टूबर-दिसंबर, 2020 तिमाही में 37.3 प्रतिशत थी। जबकि इससे एक वर्ष पहले की इसी अवधि में यह 37.2 प्रतिशत थी और जुलाई-सितंबर, 2020 तिमाही के दौरान यह 37 फीसदी थी।

श्रम बल का मतलब जनसंख्या के उस भाग से है जो वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के लिए आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए श्रम की आपूर्ति करता है। इसलिए इसमें रोजगार प्राप्त और बेरोजगार दोनों व्यक्ति शामिल हैं। एनएसओ ने अप्रैल 2017 में पीएलएफएस की शुरुआत की थी। पीएलएफएस के आधार पर श्रम बल संकेतकों का अनुमान देते हुए एक तीन महीने का बुलेटिन तैयार किया जाता है। इसमें यूआर, श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर), श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर), वर्तमान में रोजगार और काम के उद्योग में व्यापक स्थिति के आधार पर श्रमिकों का वितरण और साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) जैसे संकेतक शामिल होते हैं।

सरकार ने पारे के आयात पर 'अंकुश' लगाया

नई दिल्ली: सरकार ने बृहस्पतिवार को मर्करी (पारे) के आयात पर अंकुश लगाने की घोषणा की। इसका इस्तेमाल पुराने थर्मोमीटर, फ्लोरोसेंट लाइट बल्ब और इलेक्ट्रिकल स्विच में होता है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा, ''पारे के लिए आयात नीति को मुक्त से अंकुश की श्रेणी में डाल दिया गया है। इसके आयात के लिए अब पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से पूर्व-अनुमति लेनी होगी।'' अभी तक पारे के आयात पर किसी तरह का अंकुश नहीं था। अब आयातक को इसके लिए सरकार की अनुमति लेनी होगी। वित्त वर्ष 2020-21 में मर्करी का आयात 61.5 लाख डॉलर का रहा था। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून की अवधि में यह 34.9 लाख डॉलर रहा है।

औद्योगिक उत्पादन जुलाई में 11.5% बढ़ा: सरकारी आंकड़े

बिजनेस डेस्क: देश के औद्योगिक उत्पादन में जुलाई महीने में 11.5 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़े में यह जानकारी दी गई। इससे पहले, पिछले साल जुलाई में औद्योगिक उत्पादन में 10.5 प्रतिशत की गिरावट आई थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) आंकड़ों के अनुसार सकल औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाले विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन जुलाई 2021 में 10.5 प्रतिशत बढ़ा। वहीं, खनन उत्पादन में 19.5 प्रतिशत और बिजली उत्पादन में 11.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आंकड़े के अनुसार चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जुलाई के चार माह के दौरान आईआईपी में कुल मिलाकर 34.1 प्रतिशत वृद्धि हुई है। जबकि पिछले साल इसी अवधि में 29.3 प्रतिशत की गिरावट आई थी। पिछले साल मार्च से कोविड-19 महामारी के कारण औद्योगिक उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ा था। तब इसमें 18.7 प्रतिशत की गिरावट आई थी। वहीं महामारी की रोकथाम के लिए देशव्यापी 'लॉकडाउन' से आर्थिक गतिविधियां थमने के कारण अप्रैल में इसमें 57.3 प्रतिशत की बड़ी गिरावट आई थी।

मकान बनाने वालों के लिए राहत, सीमैंट की कीमतों में 6फीसदी गिरावट

जालंधर:

जून 2021 तिमाही के अंत तक कीमतों में बढ़ौतरी के बाद भारतीय सीमैंट कंपनियां बाद के महीनों में इस बढ़ौतरी को बनाए रखने में असमर्थ रहीं। यह मकान बनाने वालों की लिए थोड़ी राहत देने वाली बात है कि अगस्त 2021 में सीमैंट की कीमत पिछले महीने की तुलना में लगभग 3 फीसदी गिरकर 328 रुपए प्रति 50 किलोग्राम हो गई, जिस कारण पूर्वी क्षेत्र में कीमतों में 6 फीसदी की गिरावट आई। शेष क्षेत्रों में कीमतों में 1-3 फीसदी की गिरावट आई है।

कमजोर मांग से गिरी कीमतें

तीव्र प्रतिस्पर्धा और मानसून कमजोर कीमतों की प्रवृत्ति के प्रमुख कारण थे। पूर्वी क्षेत्र में मौजूदा बड़े खिलाड़ियों की क्षमता में वृद्धि, रेत की बढ़ती कीमत और राज्य सरकारों की कमजोर मांग के कारण अगस्त में कीमतों में सबसे ज्यादा गिरावट आई। यह अनुमान है कि वित्त वर्ष 22 और 23 के बीच भारत के सीमैंट उद्योग की वृद्धिशील क्षमता का 44 फीसदी पूर्वी क्षेत्र में होगा। यह इस क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धी तीव्रता को दर्शाता है।

कीमतों में आ सकता है उछाल

विश्लेषकों का कहना है कि अगस्त में मांग काफी स्थिर रही है। वे सितंबर तिमाही के लिए अच्छी तरह से स्थापित सीमैंट कंपनियों के लिए वॉल्यूम में साल-दर-साल दो अंकों की वृद्धि की उम्मीद करते हैं। पिछले वर्ष में निम्न आधार को देखते हुए अखिल भारतीय औसत सीमैंट की कीमत एक साल पहले के स्तर से 5.6 प्रतिशत अधिक थी। चूंकि मानसून की अवधि घटती है और मांग में काफी सुधार होता है, इसलिए कंपनियों के बढ़ती इनपुट लागत से निपटने के लिए सितंबर और उसके बाद के महीनों में सीमैंट की कीमतों में वृद्धि की संभावना है।

जून माह में बढ़ गई थीं कीमतें

गौरतलब है कि देशभर में जून में सीमैंट की कीमतों में तेजी आई थी। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज द्वारा लेटैस्ट डीलर्स चैनल चैक के मुताबिक अखिल भारतीय कीमतें महीने-दर-महीने आधार पर 4 फीसदी बढ़कर 376 रुपए प्रति 50-किलोग्राम हो गई थी। अगर दक्षिण भारत में सीमैंट की कीमतों की बात करें तो महीने-दर-महीने के आधार पर 11 फीसदी की वृद्धि के साथ 415 रुपए प्रति बैग हो गया था।

अगस्त में कारों की बिक्री 13 प्रतिशत घटी

बिजनेस डेस्क:

सप्लाई चेन की चुनौती, सेमीकंडक्टर की कमी और कमोडिटी की आसमान छूती कीमतों के कारण इस वर्ष अगस्त में कारों की बिक्री पिछले वर्ष के इसी माह के 124715 के मुकाबले लगभग 13 प्रतिशत घटकर 108508 इकाई रही। ऑटोमोबाइल कंपनियों के शीर्ष संगठन सियाम के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2021 में घरेलू स्तर पर कुल 108508 कारें बेची गईं, जो अगस्त 2020 के 124715 की तुलना में करीब 13 प्रतिशत कम है। हालांकि इस दौरान कारों के निर्यात में 36.14 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 23,687 से बढ़कर 32,247 इकाई पर पहुंच गया। आलोच्य अवधि में यूटिलिटी वाहनों (यूवी) की बिक्री में 37.9 प्रतिश्ता का इजाफा हुआ और यह 81,842 से बढ़कर 1,12,863 रहा। साथ ही यूवी का निर्यात भी 14,429 से बढ़कर 18,808 इकाई पर पहुंच गया। वैन की बिक्री 9,359 के मुकाबले लगभग 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 10,853 इकाई रही। इस वर्ष अगस्त में कुल 149 वैन का निर्यात किया गया जबकि इसके पिछले वर्ष अगस्त में वैन का निर्यात शून्य रहा था। इस तरह अगस्त में यात्री वाहनों की कुल घरेलू बिक्री 7.6 प्रतिशत बढ़कर 2,32,224 इकाई पर पहुंच गई जबकि अगस्त 2021 में यह आंकड़ा 2,15,916 रहा था। इस अवधि में यात्री वाहनों का कुल निर्यात भी 38,116 से 51,204 इकाई पर पहुंच गया। सियाम ने बताया कि आलोच्य अवधि में यात्री तिपहिया वाहनों की बिक्री 7,935 के मुकाबले लगभग दोगुना बढ़कर 15,715 इकाई पर पहुंच गई। हालांकि इस दौरान इनका निर्यात 39,251 से कम होकर 36,286 रहा है। सामान ढोने वाले तिपहिया वाहनों की बिक्री 6,599 से बढ़कर 7,495 इकाई और इनका निर्यात 385 से बढ़कर 629 इकाई हो गया है। इस तरह तिपहिया वाहनों की कुल घरेलू बिक्री 59.69 प्रतिशत बढ़कर 14,534 से 23,210 इकाई हो गई है। हालांकि इन वाहनों का कुल निर्यात 39,636 से कम होकर 36,915 रह गया। इस दौरान दुपहिया वाहनों की कुल घरेलू बिक्री को 14.63 प्रतिशत का झटका लगा है और यह 15,59,665 से घटकर 13,31,436 रह गई। इस अवधि में स्कूटर की बिक्री 4,56,848 से कम होकर 4,51,967 जबकि इनका निर्यात 13,448 से बढ़कर 34,456 इकाई पर पहुंच गया। मोटरसाइकिल की बिक्री 10,32,476 घटकर 8,25,849 जबकि इनका निर्यात 2,42,216 से बढ़कर 3,36,979 इकाई रहा। इस अवधि में मोपेड की बिक्री में गिरावट का रुझान रहा और यह 70,126 से कम होकर 52,607 रह गई। वहीं इनका निर्यात 178 से बढ़कर 858 इकाई पर पहुंच गया। इस दौरान इलेक्ट्रिक दुपहिया वाहनों की मांग बढ़ी जिसकी बदौलत इनकी बिक्री 215 से बढ़कर 1013 इकाई पर पहुंच गई। आलोच्य अवधि में देश से इलेक्ट्रिक दुपहिया वाहनों का निर्यात शून्य रहा। इस तरह समान अवधि में इन सभी श्रेणियों के वाहनों के कुल उत्पादन में 8.22 प्रतिशत की कमी आई और यह 21,62,372 से घटकर 19,84,676 रह गई। इसी तरह वाहनों की कुल बिक्री भी 17,90,115 के मुकाबले 12.8 प्रतिशत गिरकर 15,86,873 इकाई रह गई। वहीं कुल निर्यात 3,33,876 से बढ़कर 4,61,156 इकाई पर पहुंच गया। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने अगस्त महीने के आंकड़ों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग सप्लाइ चेन की चुनौतियों से जूझ रही है। वैश्विक स्तर पर सेमी कंडक्टर की लगातार कमी बनी हुई है, जिसका ऑटो उद्योग के उत्पादन पर सीधा असर पड़ रहा है। साथ ही कमोडिटी की आसामान छूती कीमतें उत्पादन लागत को बढ़ा रही हैं। इन विपरीत परिस्थितियों के बीच सियाम के सदस्य ग्राहकों की मांग को पूरा करने और उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

बिकने जा रही है शापूरजी पलोनजी ग्रुप के स्वामित्व वाली कंपनी

बिजनेस डेस्क:

शापूरजी पलोनजी ग्रुप की कंज्यूमर ड्युरेबल्स फ्लैगशिप कंपनी यूरेका फोर्ब्स बिकने जा रही है। यह वैक्यूम क्लीनर और वाटर प्यूरिफायर बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनियों में शामिल है।

सूत्रों के मुताबिक, यूरेका फोर्ब्स को अमेरिकी निजी इक्विटी फर्म एडवेंट इंटरनेशनल खरीद सकती है। मामले से जुड़े जानकारों के अनुसार, यह सौदा 4,500-5,000 करोड़ रुपए का हो सकता है।

फिलहाल इस डील की कोई औपचारिक घोषणा नहीं हुई है।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, शापूरजी पलोनजी ने रणनीतिक विकल्पों को खोजने के लिए स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक को नियोक्त किया है। यूरेका फोर्ब्स को सार्वजनिक सूचीबद्ध फोर्ब्स एंड कंपनी से अलग किया जा रहा है। इसके लिए राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मंजूरी का इंतजार है। इसके बाद कंज्यूमर अप्लायंस यूनिट एड्वेंट को बेच दी जाएगी।

एसपी ग्रुप को को ऐसे होगा फायदा

अगर यह सौदा होता है तो इससे 154 साल पुराने एसपी ग्रुप को अपना कर्ज कम करने में मदद मिलेगी और साथ ही कंस्ट्रक्शन बिजनेस पर अधिक ध्यान दिया जाएगा। कंपनी के कुल कर्ज में से 12 हजार करोड़ रुपए भारतीय रिजर्व बैंक (**RBI**) की कोविड रिलीफ स्कीम के तहत है। योजना के तहत कंपनी को 2023 तक इसका भुगतान करना है। लेकिन कंपनी आने वाले महीनों में ही इसकी आधी राशि का भुगतान कर सकती है।

यूरेका फोर्ब्स के अधिग्रहण के लिए होड़ में थी ये कंपनियां

एडवेंट निवेश फर्म वार्बर्ग पिंकस और स्वीडिश होम अपलायंस निर्माता कंपनी इलेक्ट्रोलक्स के साथ यूरेका फोर्ब्स का अधिग्रहण करने के लिए मुकाबला कर रही थी। साल 1980 में दिग्गज कंपनी यूरेका फोर्ब्स को इलेक्ट्रोलक्स और टाटा ग्रुप द्वारा प्रमोट किया गया था। यूरेका फोर्ब्स के 35 देशों में करीब दो करोड़ ग्राहक हैं।

मालूम हो कि शापूरजी पल्लोनजी ग्रुप कुल छह क्षेत्रों इंजीनियर सेगमेंट और कंस्ट्रक्शन, इंफ्रास्ट्रक्चर, रीयल एस्टेट, वाटर, एनर्जी और फाइनेंशियल सर्विसेज में काम करता है।

भारत की निगाह अब तिपहिया को इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलने पर

बिजनेस डेस्क:

कारों और दोपहिया वाहनों के बाद भारत की नजर देश की सड़कों पर चलने वाले 60 लाख तिपहिया वाहनों के एक महत्वपूर्ण हिस्से को इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) में बदलने पर है। सरकार ने 2030 तक देश की सड़कों पर दौड़ने वाले कुल वाहनों के 30 प्रतिशत को इलेक्ट्रिक वाहन में बदलने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। इसी के अनुरूप सरकार की निगाह तिपहिया को ईवी में बदलने पर है।

माल ढुलाई वाले वाहनों से लेकर कचरा निपटान वैन तक को इलेक्ट्रिक में बदलने से तिपहिया वाहनों की परिचालन की लागत घटेगी। चारपहिया वाहनों के उलट तिपहिया वाहनों में डिस्चार्ज बैटरी को चार्ज करने या बदलने के आसान विकल्प आते हैं, जिससे चार्ज होने में लगने वाले समय की बचत होती है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लि. (सीईएसएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज लि. (सीईएसएल) ने अलग-अलग तरह के इस्तेमाल के लिए बिजली से चलने वाले एक लाख तिपहिया वाहनों की खरीद को लेकर 3,000 करोड़ रुपए की निविदा जारी की है। सीईएसएल की प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) महुआ आचार्य ने कहा, ''निविदा जारी करने से पहले हमने मांग जुटाने के लिए हमने सार्वजनिक प्रकिया की। इसी कड़ी में हमें फाइनेंसरों, फ्लीट एग्रीगेटर और राज्यों से प्रतिबद्धताएं मिलीं है। उन्होंने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर खरीदारी करने से बेहतर कीमत प्राप्त होगी। आचार्य ने कहा कि 18 माह में वादे के अनुसार एक लाख इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहन देने की निर्माताओं की क्षमता हालांकि चिंता का विषय है।

उन्होंने कहा कि बोली-पूर्व सम्मेलन में 20 मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) ने हिस्सा लिया।

फेसबुक कस्टम सर्वर चिप्स पर कर रहा है काम

सैन फ्रांसिस्को।

फेसबुक एक ऐसी चिप विकसित कर रहा है जो यूजर्स को रिकॉमेंडिंग कंटेंट करने जैसे कार्यों के लिए मशीन लर्निंग (एमएल) को शक्ति प्रदान करेगा। सूचना के अनुसार, फेसबुक अपने डेटा केंद्रों के लिए कस्टम चिप्स का एक सूट विकसित कर रहा है। एक प्रोसेसर को कथित तौर पर एमएल कार्यों को शक्ति देने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें एल्गोरिदम भी शामिल है जो फेसबुक की रिकॉमेंडीं कंटेंट को संभालता है।

दूसरा लाइवस्ट्रीम वीडियो की गुणवत्ता में सुधार के लिए वीडियो ट्रांसकोडिंग में सहायता करेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, बाहरी चिपमेकर्स पर अपनी निर्भरता को कम करने में मदद करने के अलावा, कस्टम सिलिकॉन के कदम से फेसबुक को अपने डेटा केंद्रों के कार्बन फुटप्रिंट के कम करने में मदद मिल सकता है। नए चिप्स तीसरे पक्ष के प्रोसेसर के साथ काम करेंगे, जो कंपनी वर्तमान में अपने सर्वर में उपयोग करता है और कथित तौर पर जो पहले से है उसे पूरी तरह से बदलने के लिए नहीं है।

कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा, फेसबुक हमेशा हमारे सिलिकॉन भागीदारों के साथ और हमारे अपने आंतरिक प्रयासों के माध्यम से गणना प्रदर्शन और पावर दक्षता के उच्च स्तर को चलाने के तरीकों की खोज कर रहा है। प्रवक्ता ने कहा, हमारे पास इस समय अपनी भविष्य की योजनाओं पर साझा करने के लिए कुछ भी नया नहीं है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि कंपनी पहले ही सेमी-कस्टम चिप्स में डब कर चुकी है।

ट्विटर बॉट खातों के लिए लेबल का परीक्षण करेगा शुरू

सैन फ्रांसिस्को।

माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट ट्विटर ने घोषणा की है कि वह स्वचालित खातों (या बॉट खातों) के लिए लेबल शुरू कर रहा है। ट्विटर ने अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न में कहा, ट्विटर पर आप जिन स्वचालित खातों को देख सकते हैं, उनमें बॉट शामिल हैं जो आपको वैक्सीन अपॉइंटमेंट और आपदा पूर्व चेतावनी प्रणाली खोजने में मदद करते हैं। जब ये खाते आपको बताते हैं कि वे स्वचालित हैं, तो आप उनके साथ बातचीत करते समय उनके उद्देश्य की बेहतर समझ प्राप्त करते हैं। द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, शुरूआत में, ट्विटर जो एक परीक्षण बुला रहा है, उसमें कम संख्या में डेवलपर्स को अपने खातों में लेबल लागू करने में सक्षम होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

परीक्षण में उन खातों के लिए जिन्होंने लेबल को सक्रिय किया है, एक स्वचालित लेबल प्रोफाइल पृष्ठों पर और खातों के लिए खुद ट्वीट पर दिखाई देगा। कंपनी ने लिखा, हमें उम्मीद है कि यह जोड़ा गया संदर्भ आपको आपके द्वारा देखे जाने वाले कंटेंट पर भरोसा करने में मदद करता है।

कंपनी ने कहा कि सभी डेवलपर्स साल के अंत तक लेबल का उपयोग करने में सक्षम होंगे। रिपोर्ट के अनुसार, रोलआउट जुलाई की समय-सीमा से थोड़ा बाद में शुरू हो रहा है, जिसका वादा पहले किया गया था। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट उन लोगों को याद करने के लिए एक लेबल पर भी काम कर रही है, जो मर चुके हैं और वह लेबल इस साल उपलब्ध होने वाला है।

कोरोना की वजह से नहीं खेली टीम इंडिया...

मैनचेस्टर टेस्ट : इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां टेस्ट मैच रद्द

मैनचेस्टर। (एजेंसी)।

भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच शुक्रवार को रद्द कर दिया गया क्योंकि कोविड-19 से जुड़ी चिंताओं के कारण मेहमान देश अपनी 'टीम उतारने में असमर्थ' था।

भारत के मुख्य कोच रवि शास्त्री और गेंदबाजी कोच भरत अरुण के बाद सहायक फिजियो योगेश परमार के कोविड-19 के लिये पॉजिटिव पाये जाने के बाद खिलाड़ियों पर खतरा मंडरा रहा था। इससे मैच के दौरान संक्रमण फैलने का डर भी था जिसके कारण टॉस किये जाने के दो घंटे पहले इसे रद्द कर दिया गया। पता चला है कि कप्तान विराट कोहली और अन्य खिलाड़ी मैच में नहीं खेलना चाहते थे। बीसीसीआई के अधिकारी भी उन्हें मैच खेलने के लिए नहीं मना पाये।

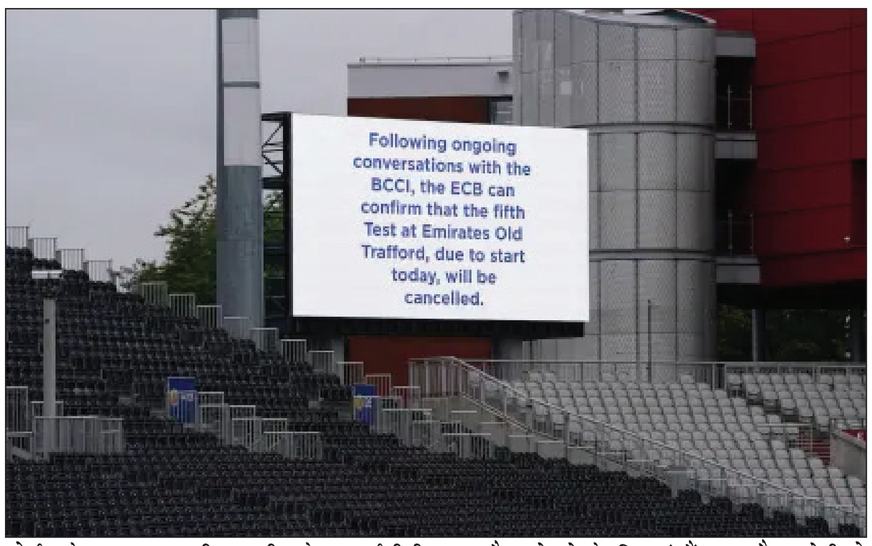

इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने जो शुरुआती बयान जारी किया था उसमें स्पष्ट तौर पर मैच गंवाने का जिक्र किया गया था लेकिन संशोधित मीडिया विज्ञप्ति में इसे हटा दिया गया। ईसीबी ने बयान में कहा कि भारतीय खेमे में आगे कोविड के मामले बढ़ने की आशंका को देखते हुए भारत अपनी टीम उतारने में असमर्थ है।

कोविड से जुड़े पृथकवास का मतलब है कि खिलाड़ी 19 सितंबर से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के मैचों में नहीं खेल पाते। ईसीबी ने बयान में कहा, 'बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के साथ चल रही बातचीत के बाद ईसीबी पुष्टि कर सकता है कि इंग्लैंड और भारत के बीच आज से ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होने वाला पांचवां टेस्ट मैच रद्द कर दिया जाएगा। हम प्रशंसकों और अपने साझेदारों से माफी मांगते हैं। हमें पता है कि इस समाचार से कई लोगों को बहुत निराशा और असुविधा होगी।

भारत श्रृंखला में 2-1 से आगे है लेकिन उसे विजेता घोषित नहीं किया गया है क्योंकि अगले साल जुलाई में जब भारतीय टीम सीमित ओवरों के छह मैच खेलने के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी तो तब पांचवां टेस्ट मैच खेला जा सकता है। भारत ने लाड्‌र्स में दूसरा टेस्ट मैच 151 रन और ओवल में चौथा टेस्ट मैच 157 रन से जीता था। इस बीच इंग्लैंड ने लीड्स में तीसरे टेस्ट मैच में पारी और 76 रन से जीत दर्ज की थी। नॉटिघम में खेला गया पहला मैच ड्रा रहा था।

समझा जाता है कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) मैचों के लिए कोविड-19 नियमों में 'गंवाना' शब्द शामिल नहीं है और इससे ही कोहली और उनके साथियों के लिए इस मैच से हटने का रास्ता साफ हुआ था। डब्ल्यूटीसी के मैचों से जुड़े नियमों के अनुसार कोविड-19 की पहचान स्वीकार्य अनुपालन के रूप में गयी है जो टीमों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है।

ऐसा इसलिए है क्योंकि मैच प्रतियोगिता में रद्द के रूप में दर्ज रह सकता है तथा जब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) खेले गये मैचों में हासिल किये गये अंकों के आधार पर प्रतिशत अंक प्रणाली का उपयोग करेगी तब रद्द मैच किसी भी टीम के लिये अनुपयोगी रहेंगे। बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार खिलाड़ियों का परीक्षण नेगेटिव आया था लेकिन खिलाड़ी आगे परीक्षण पॉजिटिव आने की दशा में 10 दिन तक पृथकवास पर रहने का जोखिम नहीं उठाना चाहते थे।

भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ियों को एक ही विमान से उड़ान भरनी थी और मैच को एक या दो दिन टालने से अन्य दिक्कतें पैदा हो सकती थी। भारतीय खेमे में सबसे पहले शास्त्री का परीक्षण पॉजिटिव आया था। उन्होंने लंदन में टीम होटल में अपनी पुस्तक का विमोचन किया था जिसके बाद उनमें लक्षण पाए गए थे। इस समारोह में बाहर से लोगों को आने की अनुमति दी गई थी। इसकी कोई गारंटी नहीं है कि रवि शास्त्री की पुस्तक के विमोचन के बाद अधिक मामले नहीं होंगे। इसलिए खिलाड़ी विशेषकर 10 दिन तक पृथकवास पर रहने को लेकर सावधानी बरत रहे हैं।

फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी ने दिग्गज पेले का 50 साल पुराना रिकार्ड तोड़ा

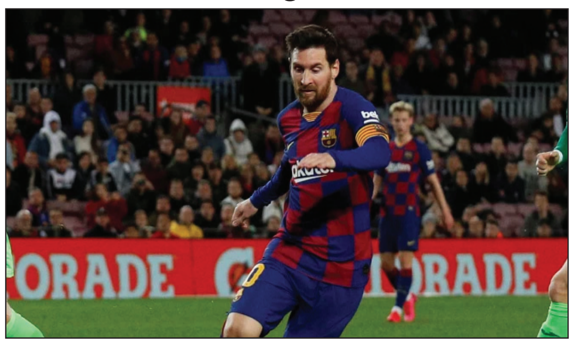

यूनस आयर्स। (एजेंसी)।

अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी अपने जमाने के दिग्गज पेले का 50 साल पुराना रिकार्ड तोड़कर अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक गोल करने वाले दक्षिण अमेरिकी खिलाड़ी बन गये हैं। चौतीस वर्षीय मेस्सी ने अर्जेंटीना की गुरुवार को विश्व कप क्वालीफाईंग मैच में बोलिविया पर 3-0 की जीत के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। मेस्सी ने मैच में हैट्रिक बनायी और अब उनके अंतरराष्ट्रीय गोल की संख्या 79 पर पहुंच गयी है जो पेले से दो अधिक है।

मेस्सी ने अर्जेंटीना की तरफ से 153 मैच खेले हैं जबकि पेले ने ब्राजील के लिये 92 मैचों में 77 गोल दागे थे। पेले ने अपना आखिरी मैच जुलाई 1971 में खेला था। वह आंत में ट्यूमर का आपरेशन करवाने के बाद अभी अस्पताल में हैं। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक गोल करने का रिकार्ड पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम पर है। उन्होंने अब तक 180 मैचों में 111 गोल दागे हैं।

यूएस ओपन : फर्नांडेज ने सबालेंका को हराकर यूएस ओपन के फाइनल में बनाई जगह

न्यूयॉर्क। कनाडा की 19 वर्षीय लेलाह फर्नांडेज ने दूसरी सीड बेलारूस की एरिना सबालेंका को हराकर यहां चल रहे वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। विश्व रैंकिंग में 73वें स्थान पर मौजूद फर्नांडेज ने दो घंटे 20 मिनट तक चले मुकाबले में सबालेंका को 7-6(3), 4-6, 6-4 से हराया। फर्नांडेज पिछले तीन सालों में कनाडा की दूसरी युवा खिलाड़ी हैं जिन्होंने यूएस ओपन के फाइनल में जगह बनाई है। उनसे पहले 2019 की चैंपियन बियांका आंद्रेस्कू थीं जिन्होंने 19 वर्ष की उम्र में खिताब जीता था। फर्नांडेज ने तीसरे राउंड में पूर्व यूएस ओपन चैंपियन जापान की नाओमी ओसाका, चौथे राउंड में 16वीं सीड जर्मनी की एंगेलिके केरबेर और क्वार्टर फाइनल में विश्व की पांचवें नंबर की खिलाड़ी यूक्रेन की एलिना स्वितोलीना को हराया था।सबालेंका को हराने के साथ ही फर्नांडेज ग्रैंड स्लैम इवेंट में शीर्ष-5 की तीन खिलाड़ियों से आगे निकलने वाली युवा खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले सेरेना विलियम्स ने 1999 यूएस ओपन में इस उपलब्धि को हासिल किया था।

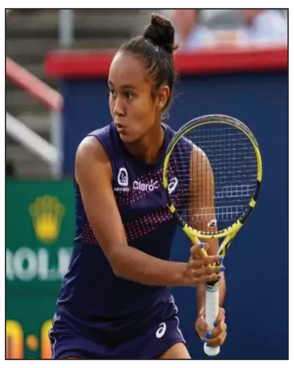

कोच मिसबाह और वकार यूनिस ने दिया अचानक इस्तीफा, पाकिस्तानी टीम को लगा झटका

कराची। पाकिस्तान की सीमित ओवरों की टीम के उप कप्तान शादाब खान ने स्वीकार किया कि मुख्य कोच मिसबाह उल हक और गेंदबाजी कोच वकार यूनिस के अचानक इस्तीफा देने से जो स्थिति पैदा हुई वह आदर्श नहीं थी लेकिन टीम आगामी महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं को देखते हुए किसी तरह के नकारात्मक विचारों से दूर रहने की कोशिश कर रही है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सोमवार को घोषणा की थी कि मिसबाह और वकार ने त्यागपत्र दे दिया है तथा पूर्व टेस्ट क्रिकेटरों सकलैन मुश्ताक और अब्दुल रज्जाक को कुछ समय के लिये अंतरिम कोच नियुक्त किया गया है। शादाब ने कहा, ''मैं उनके फैसले पर टिप्पणी नहीं कर सकता लेकिन एक टीम के तौर पर हम यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि हाल के घटनाक्रम से हमारे शिविर में किसी तरह की नकारात्मक भावना पैदा न हो क्योंकि यह हमारे लिये आदर्श स्थिति नहीं होगी।'' उन्होंने कहा, ''हमारा ध्यान उन चीजों पर है जो हम कर सकते हैं। हम इससे इतर नहीं सोचना चाहते हैं। जल्द ही टी20 विश्व कप होना है और हमारा ध्यान स्वयं को उसके लिये तैयार करने पर है।

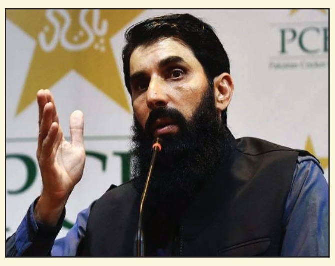

टी20 विश्व कप के लिए विंडीज टीम में ब्रैथवेट बाहर, रामपॉल की वापसी

त्रिनिदाद। गत चैंपियन वेस्टइंडीज ने अक्टूबर-नवंबर में यूएई और ओमान में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित की। वेस्टइंडीज की टीम में कार्लोस ब्रैथवेट को जगह नहीं मिली है जिन्होंने 2016 विश्व कप के फाइनल में बेन स्टोक्स की गेंद पर लगातार चार छक्के जड़ टीम को मैच जिताया था। हालांकि, 36 वर्षीय रवि रामपॉल की विंडीज टी20 टीम में छह वर्षो बाद वापसी हुई है। रोस्टन चेज को भी 15 सदस्यीय टीम में जगह दी गई जिसकी वजह कैरेबियन प्रीमियर लीग में उनकी फॉर्म है। विंडीज की टीम टी20 विश्व कप में अपना खिताब बचाने उतरेगी। वह अपने अभियान की शुरूआत 23 अक्टूबर को इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले से करेगी। वेस्टइंडीज दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और राउंड-1 की दो क्वालीफायर्स टीम के साथ टीम ग्रुप-1 में है।

विंडीज की टीम इस प्रकार है

कीरोन पोलार्ड (कप्तान), निकोलस पूरन (उपकप्तान), फैबियन एलन, ड्वेन ब्रावो, रोस्टन चेज, आंद्रे फ्लेचर, क्रिस गेल, शिमरॉन हेत्मायेर, एविन लुइस, ओबेड मैकॉय, लेंडल सिमंस, रवि रामपॉल, आंद्रे रसेल, ओशाने थॉमस और हेडन वॉल्श जूनियर।

रिजर्व: डेरेन ब्रावो, शेल्डन कॉटरेल, जैसन होल्डर और अकील हुसैन।

हमने जहां खत्म किया था, वहीं से शुरू करना होगा: स्मिथ

दुबई (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टीवन स्मिथ का मानना है कि उनकी टीम दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल 2021 के दूसरे चरण में ज्यादा बेहतर करेगी। दिल्ली की टीम फिलहाल आठ मैचों में छह जीत के साथ 12 अंक लेकर तालिका में शीर्ष स्थान पर है।

स्मिथ ने कहा, हमें वहां से शुरू करना होगा जहां हमने खत्म किया था। हमने कुछ अच्छा क्रिकेट खेला जिसका नतीजा हमें मिला। मुझे लगता है कि हम और भी बेहतर कर सकते हैं इसलिए हमें टूर्नामेंट के आखिरी छोर पर अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलना होगा। फाइनल में पहुंचने के लिए आपको काफी अच्छा खेलना होगा, लेकिन उम्मीद है कि हम फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेल सकेंगे। स्मिथ ने कहा कि दिल्ली को शेष आईपीएल के लिए खुद को फिर से तैयार करना होगा और उन्होंने साथ ही श्रेयस अय्यर के टीम में वापस आने पर खुशी व्यक्त की।

स्मिथ ने कहा, हमें एक साथ खेले हुए कुछ महीने हो गए हैं इसलिए हमें फिर से शुरू करना होगा। हमारे पास एक शानदार टीम है और हमारे पास अय्यर भी हैं, जो हमारे लिए और भी बहुत कुछ जोड़ता है। वह एक गुणवत्ता वाले खिलाड़ी हैं और उन्हें मैदान पर वापस देखकर अच्छा लगा। बल्लेबाज ने कहा, पिछले 18 महीनों में यह दुनिया में एक बहुत ही अनोखा समय रहा है। हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा और इससे उबरने की कोशिश करनी होगी और हमें स्थिति से उबरना जारी रखना होगा स्मिथ ने कहा, मैं वास्तव में भाग्यशाली हूं कि मुझे टूर्नामेंट के दूसरे चरण के लिए वापस आने का मौका मिला। मैं इसके लिए उत्साहित हूं। दिल्ली टेबल पर एक शानदार जगह पर बैठी है, इसलिए उम्मीद है कि हम कुछ बेहतरीन क्रिकेट खेलते रहेंगे और टूर्नामेंट के अंत तक बने रहेंगे। दिल्ली का आईपीएल 2021 के दूसरे चरण में मुकाबला 22 सितंबर को सनराइजर्स हैदराबाद के साथ दुबई में होगा।

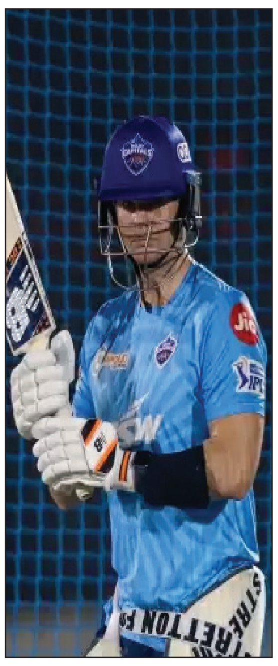

मुझे लगता है कि मैं थोड़े बहुत सम्मान का हकदार हूं: ताहिर

दुबई (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीका के लेग स्पिनर इमरान ताहिर का मानना है कि वह टीम मैनजमेंट से थोड़े बहुत सम्मान के हकदार हैं जो उन्हें बेकार मानता है। उन्होंने यह भी कहा कि जब से मार्क बाउचर मुख्य कोच बने हैं, टी20 विश्व कप की योजनाओं पर उनके साथ कोई संवाद नहीं हुआ है।

ताहिर 17 अक्टूबर से 14 नवंबर तक ओमान और यूएई में होने वाले टी 20 विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम में शामिल नहीं है। ताहिर ने 2019 विश्व कप के बाद वनडे से संन्यास ले लिया था। लेकिन उन्होंने खुद को टी20 के लिए उपलब्ध रखा था। ताहिर ने कहा, मुझे अच्छा नहीं लग रहा है कि मैं टीम में नहीं हूं। पिछले साल ग्रीम स्मिथ ने मुझसे बात की थी और कहा था कि मैं चाहता हूं कि आप विश्व कप खेलें, जो ऑस्ट्रेलिया में था। मैंने स्पष्ट रूप से कहा कि मैं उपलब्ध और उत्साहित तथा सम्मानित हूं क्योंकि आप मुझे सम्मान देते हैं। मैं तेयार हूं। उन्होंने कहा, मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं और आप इन सभी लोगों में मेरा प्रदर्शन देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए वह मुझे चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह एबी डिविलियर्स और फाफ डू प्लेसिस जैसे कुछ अन्य लोगों से बात करने जा रहे हैं। उन्होंने मुझे दक्षिण अफ्रीका के ग्रुप में डाला लेकिन फिर किसी ने मुझसे संपर्क नहीं किया।

ताहिर ने कहा, कुछ महीनों के बाद मैंने स्मिथ और बाउचर को मैसेज किया और किसी ने मुझे जवाब नहीं दिया। जब से बाउचर कोच बने हैं, उन्होंने मुझसे एक बार भी संपर्क नहीं किया कि मुझे बताएं कि उनकी योजना क्या है। वाकई दुख की बात है। मैंने 10 साल देश की सेवा की। मुझे लगता है कि मैं इन लोगों की तुलना में थोड़ा अधिक सम्मान का पात्र हूं।

अय्यर की तुलना में एक अलग क्लास के खिलाड़ी हैं सूर्यकुमार : गंभीर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज गौतम गंभीर का मानना है कि सूर्यकुमार यादव में टी20 विश्व कप में भारत के लिए खेलने की वैराएटी है जो श्रेयस अय्यर के पास शायद नहीं है। सूर्यकुमार टी20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम में शामिल हैं जबकि अय्यर दीपक चाहर और शार्दुल ठाकुर के साथ तीन स्टैंडबाई खिलाड़ियों में हैं। गंभीर ने कहा, सूर्यकुमार अय्यर की तुलना में एक अलग क्लास के खिलाड़ी हैं। वह बहुत अधिक बहुमुखी हैं। वह बहुत अधिक अपरंपरागत भी हैं और टी20 क्रिकेट में आप ऐसे लोगों को चाहते हैं जो अपरंपरागत हों। उन्होंने कहा, सूर्यकुमार के पास सभी शॉट हैं, खासकर नंबर 4 पर, क्योंकि कभी-कभी नंबर-4 टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजी करने के लिए सबसे मुश्किल स्थान होता है, शायद सबसे आसान शीर्ष तीन है। पूर्व खिलाड़ी ने कहा, कई बार आप मध्यक्रम पर ऐसे वक्त आते हैं जब स्कोर दो विकेट पर 130 रन होता है। आपको इस लय को बरकरार रखना पड़ता है। सूर्यकुमार दोनों प्रकार का परिवर्तन कर सकते हैं जो शायद अय्यर नहीं कर सकते।

पुरुष और महिला हॉकी टीम की अगली प्राथमिकता एशियाई खेलों में स्वर्ण लाना होनी चाहिए : गुरबक्स

नई दिल्ली। हॉकी में दो बार के ओलंपिक खेलों के पदक विजेता गुरबक्स सिंह ने कहा है कि पुरुष और महिला हॉकी टीमों की अगली प्राथमिकता एशियाई खेलों में स्वर्ण लाना होनी चाहिए जिससे वे 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए ऑटोमेटिक कोटा हासिल कर सकें।

गुरबक्स, जो 1964 के टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक और 1968 के मैक्सिको ओलंपिक में संयुक्त रूप से कांस्य पदक जीतने वाली टीम के सदस्य थे, उन्होंने कहा कि टीम ने 41 वर्षो के बाद ओलंपिक पदक जीतकर सभी को गौरवान्वित और खुश किया है। गुरबक्स ने कहा, टीम ने 41 साल के लंबे अंतराल के बाद ओलंपिक पदक जीतकर सभी को गौरवान्वित और खुश किया है। उन्हें इस पल का आनंद लेना चाहिए, लेकिन ध्यान रखें कि अब हम अपनी प्रशंसा पर आराम नहीं कर सकते। अब जब टीम को सफलता मिल गई है, तो उन पर एक लक्ष्य होगा और अन्य टीमें अब भारत के खिलाफ कड़ी मेहनत करेंगी। उन्होंने कहा, हमें अगले ओलिंपिक के लिए पूरी तैयारी से शुरूआत करनी होगी और इससे भी बेहतर करने का लक्ष्य रखना होगा। टीम को एशियाई खेलों (2022 हांग्जो), फिर एफआईएच पुरुष विश्व कप और 2024 पेरिस ओलंपिक से शुरूआत करके एक समय में एक लक्ष्य निर्धारित करना होगा। ओलंपिक में महिला टीम के प्रदर्शन के बारे में, जहां टीम चौथे स्थान पर रही, गुरबक्स ने कहा, मैंने उनकी यात्रा को बारीकी से देखा है और ओलंपिक में उनके सभी मैच देखे हैं। उन्होंने उम्मीदों से परे प्रदर्शन किया है और उन्हें अपने पर बहुत गर्व होना चाहिए। ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराना और फिर उस स्तर के प्रदर्शन को सेमीफाइनल और कांस्य पदक मैच में ले जाना एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने सफलता का स्वाद भी चखा है और अब उन्हें एशियाई खेलों को जीतने को प्राथमिकता देनी होगी, जो आसान नहीं होने वाला है।

धोनी चाहे भी तो नहीं बन सकते टीम इंडिया के कोच, जानिए आखिर क्यों

नई दिल्ली (एजेंसी)।

8 सितंबर को बीसीसीआई ने टी-20 वर्ल्ड कप 2021 के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की. टीम की घोषणा के बाद फैंस बहुत ज्यादा खुश हो गए क्योंकि उन्हें पता चला कि पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को ञ्20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम के मेंटर के रूप में चुना गया है. इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर धोनी को लेकर काफी चर्चा हो रही है.

लोग तो ऐसा भी कह रहे हैं कि रवि शास्त्री के कोचिंग पद से हटने के बाद शायद धोनी ही भारतीय टीम के कोच बने. लेकिन ऐसा होना बहुत ही मुश्किल है, जिसका सबसे बड़ा कारण है लोढ़ा समिति. बीसीसीआई से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि धोनी भले ही टीम इंडिया के मेंटर बन चुके हैं. लेकिन वह कभी भी टीम के कोच नहीं बनना चाहते हैं.

अधिकारी ने कहा कि धोनी वर्तमान में आईपीएल फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान है और वह अभी भी टीम से जुड़े हुए हैं. लोढ़ा कमेटी के अनुसार भारतीय क्रिकेट मैनेजमेंट का हिस्सा रहने वाला कोई भी खिलाड़ी या व्यक्ति एक साथ 2 बड़े पदों पर नहीं रह सकता. अगर धोनी को भारतीय टीम का कोच बनना है तो उन्हें चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी छोड़नी होगी. इतना ही नहीं वह चेन्नई सुपर किंग्स के साथ किसी भी पद पर काम नहीं कर सकेंगे.

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट खेलने को इच्छुक नहीं ऑस्ट्रेलिया : पेन

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान टिम पेन ने कहा है कि वह उस पक्ष के खिलाफ नहीं खेलना चाहेंगे जो अपनी आधी आबादी के साथ भेदभाव करता है। ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के बीच इस साल नवंबर में एकमात्र टेस्ट मैच होना है। अफगानिस्तान की नवनिर्वाचित तालिबान सरकार द्वारा महिलाओं के क्रिकेट खेलने के विरोध की घोषणा के बाद ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान की पुरुष टीमों के बीच टेस्ट को रद्द किया जाना तय माना जा रहा है। गत नौ सितंबर को जारी एक बयान में, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने पुष्टि की कि अगर महिलाओं के खेल पर तालिबान के विचारों की खबरें सच होती हैं तो वह 27 नवंबर से होबार्ट में होने वाले टेस्ट के साथ आगे बढ़ने में असमर्थ होगा। बयान में कहा, वैश्विक स्तर पर महिला क्रिकेट के विकास को गति देना क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के लिए अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण है।

पर्युषण महापर्व, संवत्सरी प्रतिक्रमण महत्व एवम क्षमावाणी संदेश

पर्युषण पर्व वर्ष में तीन बार मनाया जाता है, लेकिन चौमासे में मनाये जाने वाले पर्युषण को अधिक श्रेष्ठ माना जाता हैं. जैन समाज में व्रत का महत्व सबसे अधिक होता हैं नियम, कायदों में यह धर्म सबसे उच्च स्थान पर आसीन हैं. मनुष्य जाति को संतुलित करने हेतु ही धार्मिक नियम बनाये जाते हैं. इन नियमो में जैन धर्म में बहुत अधिक कठोर नियमो का पालन किया जाता हैं. जैन पर्व में पर्युषण पर्व का बहुत अधिक महत्व होता हैं. पुरे समाज के साथ मिलकर नियमो के साथ इस पर्व को मनाया जाता हैं. जैन धर्म में सादगी पूर्ण , अहिंसावादी जीवन के लिए प्रेरित किया जाता हैं.यह जीवन के उपवास ही होते हैं जिन्हें जीवन में बनाये रखने के लिए तप की आवश्यक्ता होती हैं और तप का मार्ग सहज नहीं होता. तप के लिए मनुष्य के शरीर के साथ आत्मा का शुद्ध होना आवश्यक हैं आत्मा शुद्धि के लिए जीवन में नियमो का होना आवश्यक है. पर्युषण के दिन कई नियमो को अपने अंदर लिए हुए होते हैं जो मनुष्य को सद्मार्ग दिखाते हैं.

पर्युषण पर्व और 2021 कब मनाया जाता हैं ?

जैन धर्म में दो मुख्य उप जाति होती हैं, जिनमे श्वेताम्बर एवम दिगंबर जैन शामिल हैं. यह दोनों ही जैन पर्युषण पर्व को मानते हैं, लेकिन समय काल अलग- अलग होता हैं. पर्युषण पर्व 8 दिन का त्यौहार होता है.

पर्युशाना पर्व

श्वेताम्बर जैन में यह पर्व पर्युशाना के नाम से जाना जाता है एवं यह भी आठ दिन तक मनाया जाता हैं. इनमे यह पर्व भाद्रपद कृष्ण पक्ष बारस के दिन से शुरू होकर भाद्रपद की शुक्ल पक्ष पंचमी तक चलता हैं.

दसलक्षणा पर्व

दिगम्बर जैन में यह दसलक्षणा पर्व के नाम से जाना जाता है, एवम 10 दिनों तक मनाया जाता हैं. दसलक्षणा पर्व भाद्रपद शुक्ल पक्ष पंचमी से शुरू होकर चौदस तक चलता हैं. चौदस के दिन हिन्दुओ की अन्नत चतुर्दशी होती है, जिसे जैन धर्म में इसे संवत्सरी कहा जाता हैं. अनंत चतुर्दशी व्रत कथा एवम पूजा विधि को जानने के लिए पढ़े.

जैन धर्म के अनुसार राखी का त्यौहार , दशहरा और विजयादशमी, दीपावली का त्यौहार आदि सभी हर्षोल्लास के हैं, जिसमे मनुष्य जश्न मनाता हैं. पकवान खाता हैं खिलाता हैं. यह पर्व आपसी प्रेम और भाईचारा बढ़ाने के लिए होते हैं, लेकिन पर्युषण पर्व आत्मा की शुद्धि का पर्व होता हैं. इसमें मन के अन्दर का मेल साफ़ होता हैं. मनुष्य त्याग के महत्त्व को समझता हैं. मानव जीवन को संतुलित बनाने एवम शुद्ध करने के लिए पर्युषण महापर्व मनाया जाता हैं. भगवान् के भजन कीर्तन एवम पाठ के साथ इसे विधि विधान से उपवास के माध्यम से संपन्न किया जाता हैं.यह पर्व जीवन के सत्य से मनुष्य की पहचान कराता हैं उसे अपने जीवन का दर्पण दिखाता हैं उसे सत्य स्वीकारने की शक्ति देता हैं उसे क्षमा करना एवम मांगना सिखाता हैं.

क्षमा दिवस क्षमा वाणी

पर्युषण के अंतिम दिन सभी व्यक्ति एक दुसरे से क्षमा माँगते हैं, यह दिन क्षमा दिवस के नाम से जाना जाता हैं. यह दिवस अहिंसा परमो धर्म के सिधांत पर चलता हैं. इसमें सभी जाने अनजाने होने वाली गलतियों के लिए सभी मनुष्य, जीव- जन्तुओ, पशु- पक्षियों से क्षमा मांगता हैं.क्षमा मांगना एवम करना यह दोनों ही धर्मो में श्रेष्ठ माने जाते हैं और इस तरह के पर्व ऐसे पावन कर्मो के लिए निम्मित बनते हैं.

क्षमावाणी सन्देशः

करबद्ध हैं नमन,
मित्र सखा सभी जीवंत
हो अगर भूल कोई मुझसे
तो क्षमाप्रार्थी हूँ मैं सबसे
यह अनमोल भेंट देकर मुझे
कृतज्ञ करे इस जीवन मैं

उत्तम क्षमा

पर्युषण के दिनों में सभी छात्र एवम पालक रोजाना मंदिर जाते हैं, सत्संग सुनते एवम धार्मिक पाठ करते हैं. अपनी शक्तिनुसार व्रत रखते हैं. जैन धर्म का पूरी तरह पालन करते हैं जैसे प्याज, लहसन, आलू जैसी धरती के नीचे लगने वाली सब्जियाँ नहीं खाते. सूर्यास्त के पहले रात्रि भोजन करते हैं. कई जैनी निर्जला वर्त रखते हैं. कई जैनी एकाश्ना व्रत का पालन करते हैं. दान का भी बहुत महत्व होता हैं. जैन मंदिरों में दान करते हैं. अपनी श्रद्धानुसार सभी इस दान की परम्परा का निर्वाह करते हैं. जैन धर्म में गुरु का बहुत अधिक महत्व होता हैं सभी जैन गुरु पर्युषण के समय सामाजिक लोगो को सत्संग देते हैं. सद्मार्ग का उपदेश देते हैं. चौमासा सभी धर्मो में सर्व श्रेष्ठ होता हैं इन्ही चार महीनो में तप की तरफ प्रेरित करने वाले त्यौहार मनाये जाते हैं. यह ज्ञान हिन्दू , जैन यहाँ तक की मुस्लिम धर्म में भी दिया जाता हैं.त्यौहारों की भाषा भले ही भिन्न हो पर परिभाषा सदैव समान होती हैं.सभी धर्म त्याग,प्रेम और आपसी भाई चारे का पथ सिखाते हैं. बस सिखाने का तरीका अलग होता हैं.

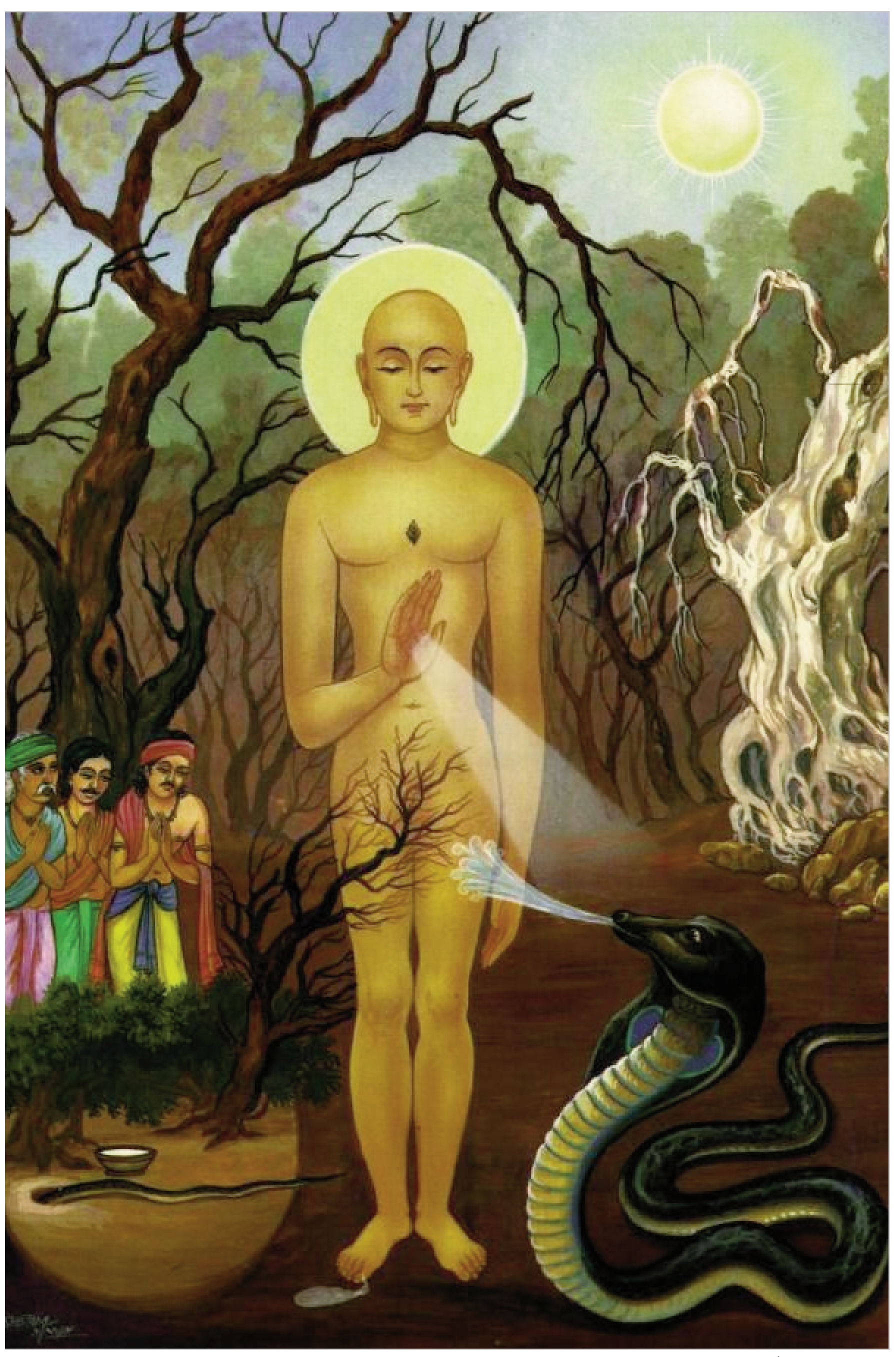

संवत्सरी आत्मोत्थान का महान पर्व है

आचार्य डॉ. लोकेशमुनि

जैन धर्म में संवत्सरी महापर्व का अत्यधिक विशिष्ट महत्व है। वर्ष भर में अपने द्वारा जान अनजाने हुई समस्त भूलों के लिए प्रायश्चित करना तथा दूसरों के प्रति हुए अशिष्ट व्यवहार के लिए अंतःकरण से अत्यन्त सरल, ऋजु व पवित्र बनकर क्षमा माँगना व दूसरों को प्रदान करना इस महान पर्व का हार्द है। भगवान महावीर ने कहा 'क्षमा वीरों का आभूषण है'- महान व्यक्ति ही क्षमा ले व दे सकते हैं। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर भी कहते है- 'क्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास गरल हो, उसको क्या जो दंतहीन,विषहीन विनीत सरल हो' सामर्थ्य होने के बावजूद किसी को नुकसान नहीं पहुँचाना व भूलों के लिए क्षमा करना ही महानता है। संवत्सरी शुद्ध रूप से आध्यात्मिक पर्व है। यह आत्म-चिंतन आत्म-निरीक्षण, आत्म-मंथन व आत्म शोधन का पर्व है। यह भाद्रपद महीने में मनाया जाता है। संवत्सरी महा पर्व मनाने के लिए आगम साहित्य में इसके लिए उल्लेख मिलता है कि संवत्सरी चातुर्मास के 49 या 50 दिन व्यतीत होने पर व 69 या 70 दिन अवशिष्ट रहने पर मनाई जानी चाहिए। जैन धर्म की त्याग प्रधान संस्कृति में संवत्सरी पर्व का अपना अपूर्व एवं विशिष्ट आध्यात्मिक महत्व है। यह एकमात्र आत्मशुद्धि का पर्व है, इसीलिए यह पर्व ही नहीं, महापर्व है। जैन लोगों का सर्वमान्य विशिष्टतम पर्व है। संवत्सरी पर्व- त्याग तपस्या, ध्यान, मौन, जप, स्वाध्याय आदि अनेक प्रकार के अनुष्ठानों के द्वारा मनाया जाता है। संवत्सरी अंतरात्मा की आराधना का पर्व है, आत्मशोधन का पर्व है, सोना तपकर निर्खाद बनता है इंसान तपकर भगवान बनता है। यह पर्व अज्ञानरूपी अंधकार से ज्ञानरूपी प्रकाश की ओर ले जाता है। तप जप ध्यान स्वाध्याय के द्वारा क्रोध, मान, माया, लोभ,राग, द्वेष आदि आंतरिक शत्रुओं का नाश होगा तभी आत्मा अपने स्वरूप में अवस्थित होगी अतः यह आत्मा का आत्मा में निवास करने की प्रेरणा देता है। संवत्सरी महापर्व आध्यात्मिक पर्व है, इसका जो केंद्रीय तत्व है, वह है- आत्मा। आत्मा के निरामय, ज्योतिर्मय स्वरूप को प्रकट करने में यह महापर्व अहं भूमिका निभाता है। अध्यात्म यानी आत्मा की सन्निकटता। यह संवत्सरी पर्व मानव-मानव को जोड़ने व मानव हृदय को संशोधित करने का महान पर्व है।जिसे त्याग-प्रत्याख्यान, उपवास, पौषध सामायिक, स्वाध्याय और संयम से मनाया जाता है। वर्षभर में कभी समय नहीं निकाल पाने वाले लोग भी इस दिन जागृत हो जाते हैं। कभी उपवास नहीं करने वाले भी इस दिन धर्मानुष्ठान करते नजर आते हैं।

संवत्सरी महापर्व कषाय शमन का पर्व है। यह पर्व 8 दिनों तक मनाया जाता है जिसमें किसी के भीतर में ताप, उत्ताप पैदा हो गया हो, किसी के प्रति राग-द्वेष की भावना पैदा हो गई हो तो यह उसको शांत करने का पर्व है। संवत्सरी पर्व आदान-प्रदान का पर्व है। इस दिन सभी अपनी मन की उलझी हुई ग्रंथियों को सुलझाते हैं, अपने भीतर की राग-द्वेष की गांठों को खोलते हैं, वे एक- दूसरे से गले मिलते हैं। पूर्व में हुई भूलों को क्षमा द्वारा समाप्त करते हैं व जीवन को पवित्र बनाते हैं। संवत्सरी महापर्व का समापन क्षमावाणी (मैत्री दिवस) के रूप में आयोजित होता है जिसे क्षमापना दिवस भी कहा जाता है। इस तरह से संवत्सरी महापर्व एवं क्षमापना दिवस- ये एक-दूसरे को निकटता में लाने का पर्व है। ये एक-दूसरे को अपने ही समान समझने का पर्व है। गीता में भी कहा है- 'आत्मौपम्येन सर्वत्रः, समे पश्यति योर्जुन'। श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा- 'हे अर्जुन! प्राणीमात्र को अपने तुल्य समझो।' भगवान महावीर ने कहा- 'मित्ती में सव्व भूएसु, वेरंमज्झण केणइ'। सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ वैर नहीं है।

मानवीय एकता, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, मैत्री, शोषणविहीन सामाजिकता, अंतरराष्ट्रीय नैतिक मूल्यों की स्थापना, अहिंसक जीवन आत्मा की उपासना शैली का समर्थन आदि तत्व संवत्सरी महापर्व के मुख्य आधार हैं।

संवत्सरी पर्व प्रतिक्रमण का प्रयोग है। पीछे मुड़कर स्वयं को देखने का ईमानदार प्रयत्न है। आत्मशोधन व आत्मोत्थान का पर्व है। यह पर्व अहंकार और ममकार के विसर्जन करने का पर्व है। यह पर्व अहिंसा की आराधना का पर्व है। आज पूरे विश्व को सबसे ज्यादा जरूरत है अहिंसा की, मैत्री की। यह पर्व अहिंसा और मैत्री का पर्व है। देश और दुनिया में समय-समय पर रह-रहकर सांप्रदायिक हिंसा और आतंकवादी घटनाएँ ऐसा वीभत्स एवं तांडव नृत्य करती रही हैं, जिससे संपूर्ण मानवता प्रकंपित हो जाती है। इनदिनों काश्मीर में वहां की जनता की सक्रिय भागीदारी से बौखलाए आतंकवादी अपनी गतिविधियों में तेजी लाते हुए वहां हिंसा का माहौल निर्मित कर रहे हैं, अहिंसा की एक बड़ी प्रयोग भूमि भारत में आज साम्प्रदायिक-आतंकवाद की यह आग- खून, आगजनी एवं लाशों की ऐसी कहानी गढ़ रही है, जिससे घना अंधकार छा रहा है। चहूं ओर भय, अस्थिरता एवं अराजकता का माहौल बना हुआ है। भगवान महावीर हो या गौतम बुद्ध, स्वामी विवेकानंद हो या महात्मा गांधी- समय-समय पर ऐसे अनेक महापुरुषों ने अपने क्रांत चिंतन के द्वारा समाज का समुचित पथदर्शन किया। ऐसे समय में संवत्सरी महापर्व की प्रासंगिकता सहज ही बहुगुणित हो गयी है। आज देश में गहरे हुए घावों को सहलाने के लिए, निस्तेज हुई मानवता को पुनर्जीवित करने एवं इंसानियत की ब्यार को प्रवहमान करने के लिए अहिंसक समाज रचना की अपेक्षा है जो मनुष्य जीवन के बेमानी होते अर्थों में नए जीवन का संचार कर सकें। अहिंसा विश्व भारती इसी उद्देश्य को साकार करने के लिये कृतसंकल्प है। अहिंसा और मैत्री द्वारा ही शांति मिल सकती है। आज जो हिंसा, आतंक, आपसी-द्वेष, नक्सलवाद, भ्रष्टाचार जैसी ज्वलंत समस्याएं न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए चिंता का बड़ा कारण बनी हुई हैं और सभी कोई इन समस्याओं का समाधान चाहते हैं। उन लोगों के लिए संवत्सरी पर्व एक प्रेरणा है। संवत्सरी महापर्व अहिंसा के मूल्यों को पल्लवित एवं पोषित करने का अवसर है। सारे मानवीय-मूल्य अहिंसा की आबोहवा में पल्लवित, विकसित होते हैं एवं जिन्दा रहते हैं। वस्तुतः अहिंसा मनुष्यता की प्राण-वायु (ऑक्सीजन) है। प्रकृति, पर्यावरण, पृथ्वी, पानी और प्राणीमात्र की रक्षा करने वाली अहिंसा ही है। हम अहिंसा का मार्ग नहीं अपनाते हैं तब प्रकृति अपना काम करती है। इसलिए संवत्सरी एक ऐसा अवसर है जो हमें महाविनाश से महानिर्माण की ओर अग्रसर करके जीवन निर्माण की प्रेरणा देता है।

संवत्सरी पर्व : 'मिच्छामी दुक्कड़म' कहकर करेंगे प्रायश्चित

क्षमा, अहिंसा और मैत्री का पर्व है संवत्सरी। संवत्सरी पर्व पर जैन धर्मावलंबी जाने-अनजाने हुई गलतियों के लिए एक-दूसरे से क्षमा मांगते हैं। गौरतलब है कि जैन धर्म के श्वेतांबर पंथ में पर्युषण पर्व संपन्न हुए हैं और क्षमावाणी दिवस मनाया जा रहा है। जैन धर्म की परंपरा के अनुसार पर्युषण पर्व के अंतिम दिन क्षमावाणी दिवस पर सभी एक-दूसरे से 'मिच्छामी दुक्कड़म' कहकर क्षमा मांगते हैं, साथ ही यह भी कहा जाता है कि मैंने मन, वचन, काया से जाने-अनजाने आपका दिल दुखाया हो तो मैं हाथ जोड़कर आपसे क्षमा मांगता हूं। जैन धर्म के अनुसार 'मिच्छामी' का भाव क्षमा करने और 'दुक्कड़म' का अर्थ गलतियों से है अर्थात मेरे द्वारा जाने-अनजाने में की गईं गलतियों के लिए मुझे क्षमा कीजिए। आचार्य महाश्रमण के अनुसार- क्षमापना से चित्त में अह्लाद का भाव पैदा होता है और आह्लाद भावयुक्त व्यक्ति मैत्री भाव उत्पन्न कर लेता है और मैत्री भाव प्राप्त होने पर व्यक्ति भाव विशुद्धि कर निर्भय हो जाता है। जीवन में अनेक व्यक्तियों से सम्पर्क होता है तो कटुता भी वर्ष भर के दौरान आ सकती है। व्यक्ति को कटुता आने पर उसे तुरंत ही मन में साफ कर देनी चाहिए और संवत्सरी पर अवश्य ही साफ कर लेना चाहिए। 'मिच्छामी दुक्कड़म' प्राकृत भाषा का शब्द है। प्राकृत भाषा में काफी जैन ग्रंथों की रचना ही हुई है। पर्युषण महापर्व जैन धर्मावलंबियों में आत्मशुद्धि का पर्व है। इस तरह पर्युषण पर्व आत्मशुद्धि के साथ मनोमालिन्य दूर करने का सुअवसर प्रदान करने वाला महापर्व है। इस दौरान लोग पूजा-अर्चना, आरती, समागम, त्याग-तपस्या, उपवास आदि में अधिक से अधिक समय व्यतीत करते हैं। इस पर्व का आखिरी दिन क्षमावाणी दिवस के रूप में मनाया जाता है जिसमें हर किसी से 'मिच्छामी दुक्कड़म' कहकर क्षमा मांगते हैं। पर्युषण पर्व के आखिरी दिन 'मिच्छामी दुक्कड़म' कहने की परंपरा है। इसमें हर छोटे-बड़े से 'मिच्छामी दुक्कड़म' कहकर क्षमा मांगते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

पाकिस्तान : लाहौर से आईएसआईएस के तीन आतंकवादी गिरफ्तार

लाहौर। पाकिस्तान की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने लाहौर में सरकारी इमारतों को निशाना बनाकर हमला करने की योजना बना रहे आईएसआईएस के तीन आतंकवादियों को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया और उनके पास से विस्फोटक सामग्री बरामद की। पंजाब पुलिस के आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) ने एक बयान में कहा कि उसने आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना मिलने के बाद लाहौर के घनी आबादी वाले इलाके में इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) केठिकाने पर छापा मारा और तीन आतंकवादियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आतंकवादियों की पहचान जुनैद ज़िया, मुहम्मद वकास और मुहम्मद जावेद के रूप में हुई है। सीटीडी ने एक बयान में कहा, ''ये आतंकवादी लाहौर में सरकारी इमारतों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को निशाना बनाकर हमला करने की योजना बना रहे थे।'' सीटीडी ने कहा, ''आतंकवादियों के पास से इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), हथगोले, विस्फोटक सामग्री, नॉन-इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, एक पिस्तौल, एक लैपटॉप और कई मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।'' पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पेंशन लेते रहने के लिये बेटे ने एक साल तक बेसमेंट में छिपाए रखा मरी हुई मां का शव

बर्लिन। ऑस्ट्रिया पुलिस ने कहा है कि एक व्यक्ति ने पेंशन और नर्सिंग भत्ता लेते रहने के लिये अपनी मां के शव को एक साल से भी अधिक समय तक भूतल में छिपाए रखा। ताइरोल प्रांत की पुलिस ने बृहस्पतिवार को कहा कि संदेह जताया जा रहा था कि व्यक्ति की 89 वर्षीय मां की जून 2020 में मौत हो चुकी है, लिहाजा अधिकारी पिछले सप्ताहांत इंसब्रक इलाके में उसके घर पहुंचे। पुलिस ने एक बयान में कहा कि पूछताछ के दौरान 66 वर्षीय व्यक्ति ने स्वीकार किया कि उसने अपनी मां की मौत के बाद उनके शव को घर के भूतल में छिपा दिया था ताकि उसे लाभ मिलते रहें। अब तक हुई जांच में पता चला है कि उसे कई हजार यूरो मिल चुके हैं। अधिकारियों ने बुधवार को महिला के शव का पोस्टमॉर्टम किया, जिसमें हत्या की बात सामने नहीं आई है।

श्रीलंकाई प्रधानमंत्री जी 20 इंटरफेथ फोरम में भाग लेने के लिए इटली रवाना

कोलंबो। श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे रविवार से शुरू हो रहे जी 20 इंटरफेथ फोरम में हिस्सा लेने के लिए इटली रवाना हो गए हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, विदेश मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि राजपक्षे के साथ विदेश मंत्री जीएल पेइरिस और विदेश सचिव एडमिरल जयनाथ कोलंबेज भी है। राजपक्षे फोरम के उद्घाटन सत्र में मुख्य भाषण देंगे जो बोलोग्ना विश्वविद्यालय में आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी ने सिन्हुआ को बताया कि राजपक्षे मंच के इतर इटेलियन नेताओं और अन्य विश्व नेताओं के साथ द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। वह 14 सितंबर को फोरम के समापन के बाद 16 सितंबर को श्रीलंका लौटेंगे। जी 20 इंटरफेथ फोरम एक वार्षिक मंच प्रदान करता है जहां धार्मिक रूप से जुड़े संस्थानों और पहलों का एक नेटवर्क वैश्विक एजेंडा (मुख्य रूप से और सतत विकास लक्ष्यों सहित) पर संलग्न होता है। 2014 में ऑस्ट्रेलिया में शुरू होकर, जी 20 इंटरफेथ फोरम जी20 मेजबान देश में प्रतिवर्ष होता है। मंचों ने आर्थिक मॉडल और प्रणालियों, पर्यावरण, महिलाओं, परिवारों, बच्चों, काम, मानवीय सहायता, स्वास्थ्य, शिक्षा, धर्म या विश्वास की स्वतंत्रता, वैश्विक सुरक्षा, शासन, मानवाधिकार और नियम सहित व्यापक एजेंडा पर विचार किया है।

फिलीस्तीनी गुटों ने डे ऑफ रेज का किया आहवान

रामल्लाह। इस्लामिक हमास आंदोलन सहित फिलिस्तीनी गुटों के नेताओं ने शुक्रवार को इजरायल में कैद किए गए फिलिस्तीनियों का समर्थन करने के लिए एक दिन का आह्वान किया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, फिलिस्तीन लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन (पीएलओ) की कार्यकारी समिति के सदस्य वासेल अबू यूसेफ ने रामल्लाह में संवाददाताओं से कहा कि वेस्ट बैंक और गाजा के सभी गुट शुक्रवार को डे ऑफ रेज घोषित करने पर सहमत हुए हैं। अबू युसेफ ने कहा, शुक्रवार इजरायली सैनिकों के साथ बाधाओं और चौकियों पर कैदियों के साथ एकजुटता और उनके अधिकारों के खिलाफ अंतहीन उल्लंघन को खारिज करने का दिन होगा। गाजा में, हमास और फिलीस्तीनी इस्लामिक जिहाद (पीआईजे) ने दो अलग-अलग प्रेस बयानों में कहा कि वे वेस्ट बैंक और पूर्वी यरुशलम में फिलिस्तीनियों को शुक्रवार को क्रोध के दिन में शामिल होने का आह्वान करते हैं। गाजा में समूह के प्रवक्ता तारिक सेल्मी ने एक बयान में कहा, पीआईजे सभी फिलिस्तीनी लोगों से फिलिस्तीनी क्षेत्र में गुस्से और टकराव की स्थिति को जारी रखने का आह्वान करते हैं। सोमवार को, छह फिलिस्तीनी कैदी उत्तरी इजरायल की गिल्बोआ जेल से एक सुरंग के माध्यम से भाग निकले, जिसे उन्होंने जेल के नीचे खोदा था। इजरायली अधिकारियों ने बाद में सभी जेलों में अपने उपाय कड़े कर लिए।

मैक्सिकन राष्ट्रपति ने अनिर्दिष्ट प्रवासियों पर बाइडन को लिखा पत्र

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर ने अपने अमेरिकी समकक्ष जो बाइडन को एक पत्र लिखकर गैर-दस्तावेज प्रवासियों से निपटने के लिए एक नई रणनीति की जरूरत पर जोर दिया है। मंत्रालय ने कहा कि पांच साल के निलंबन के बाद यूएस-मेक्सिको उच्च स्तरीय आर्थिक वार्ता को फिर से शुरू करने से पहले, गुरुवार को व्हाइट हाउस में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान मैक्सिकन विदेश मंत्री मासेर्लो एब्रार्ड द्वारा पत्र दिया गया था। पत्र में, लोपेज ओब्रेडोर ने मध्य अमेरिकी प्रवास की घटना के लिए एक नए दृष्टिकोण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला, यह कहते हुए कि वह एक ऐसे दृष्टिकोण के पक्ष में हैं, जो बड़े पैमाने पर प्रवास के स्रोत वाले क्षेत्रों में विकास और अवसरों को प्राथमिकता देता है।

तालिबान के कब्जे से दक्षिण पूर्व एशिया में बढ़ सकता है आतंकवाद! सिंगापुर के मंत्री ने दी चेतावनी

सिंगापुर (एजेंसी)।

सिंगापुर के कानून और गृह मंत्री के षणमुगम ने कहा कि अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे से दक्षिण पूर्व एशिया में आतंकवाद बढ़ सकता है। उन्होंने आगाह कियाकि युद्ध से तबाह देश क्षेत्र के संभावित आतंकवादियों के कट्टरपंथी प्रशिक्षण के लिये एक सुरक्षित आश्रय स्थल बन सकता है जहां उनकी पहुंच हथियारों तक होगी। मंत्री ने कहा कि यह आशंका इसलिये है क्योंकि पूर्ववर्ती तालिबान शासन के दौरान अफगानिस्तान ने सिंगापुर समेत दक्षिण पूर्व एशिया के संभावित आतंकवादियों को सुरक्षित पनाहगाह मुहैया कराई थी। चैनल न्यूज एशिया ने भारतीय मूल के मंत्री को उद्धृत करते हुए कहा, 'यदि आप पूछते हैं कि आतंकवादियों को क्या चाहिए या क्या मदद मिलेगी कि आतंकवादी बाहर जाकर बुरे काम करें : एक सुरक्षित ठिकाना, एक जगह जहां वे प्रशिक्षण ले सकते हैं, एक ऐसी जगह जहां उनके दिमाग को और भी अधिक कठोर और कट्टरपंथी बनाया जा सकता है।'

मंत्री ने कहा, 'और पहले, आईएसआईएस और अल-कायदा के साथ क्या हुआ था, उनके पास ऐसे सुरक्षित पनाहगाह थे। अफगानिस्तान ने सिंगापुर सहित दक्षिण पूर्व एशिया के व्यक्तियों को प्रशिक्षण के लिए एक सुरक्षित आश्रय प्रदान किया; और उसने प्रशिक्षण, हथियारों तक पहुंच के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह मुहैया कराई, जंग पर उनके प्रशिक्षण ने लोगों को कट्टरपंथी बना दिया और यह बात उसे बहुत खतरनाक बनाती है।' षणमुगम ने कहा, 'क्या यह फिर से होगा? बहुत से लोगों का यह डर है। मुझे डर है कि यह फिर से हो सकता है। मुझे लगता है कि इस क्षेत्र में आतंकवाद बढ़ने की आशंका है, कई सुरक्षा एजेंसियां और गंभीर लोग इसके बारे में चिंतित हैं।'

सिंगापुर में सुरक्षा स्थिति पर, शणमुगम ने कहा, 'दिन-प्रतिदिन के संदर्भ में, मैं यह नहीं कहूंगा कि अफगानिस्तान की घटनाओं से सुरक्षा खतरे में तत्काल वृद्धि हुई है - लेकिन यह एक रणनीतिक मुद्दा है; यह एक दीर्घकालिक मुद्दे का मध्य है और हमें उसके लिए तैयार रहने की आवश्यकता होगी।' उन्होंने कहा, 'लेकिन इस बीच, आंतरिक सुरक्षा विभाग परिदृश्य का जायजा ले रहा है कि क्षेत्र में तथा अफगानिस्तान समेत अन्य जगहों पर क्या हो रहा है। और स्वाभाविक रूप से इसके आधार पर सिंगापुर में हमें जो करने की आवश्यकता है हम वह करते हैं तथा यह एक सतत प्रक्रिया है।' षणमुगम ने बताया कि कैसे अमेरिका में 11 सितंबर, 2001 को हुए आतंकी हमलों के बाद कुछ दिनों के अंदर आंतरिक सुरक्षा अधिनियम (आईएसए) लागू किया गया था, जब अधिकारियों ने सिंगापुर के 36 नागरिकों को गिरफ्तार किया था जो जेम्माह इस्लामिया आतंकवादी नेटवर्क का हिस्सा थे।

ओहियो वायु सेना अड्डा बंद किया गया, बंदूकधारी के दिखाई देने की खबरों की जांच जारी

राइट-पैटरसन एयर फोर्स बेस (अमेरिका) (एजेंसी)।

ओहियो के राइट-पैटरसन वायु सेना अड्डे को बृहस्पतिवार रात को बंद कर दिया गया और परिसर में एक बंदूकधारी के दिखाई देने संबंधी खबरों की जांच शुरू कर दी गई है। हवाई अड्डा प्रशासन की ओर से यह जानकारी दी गई। हवाई अड्डा प्रशासन की प्रवक्ता स्टेसी गीगर ने बताया कि आधी रात से कुछ देर पहले नौ बजकर 25 मिनट पर एक बंदूकधारी को परिसर में देखे जाने की खबर मिली। गीगर ने बताया कि आपातकालीन स्थिति से निपटने वाले कर्मी परिसर में गहनता से फिर से तलाश कर रहे हैं। इस संबंध में मीडिया को जल्द ही जानकारी दिए जाने की उम्मीद है।

वायुसैन्य अड्डे की 88वीं शाखा ने रात करीब 10 बजे ट्वीट किया कि सुरक्षाकर्मी परिसर में तलाश कर रहे हैं। आपात कर्मी राष्ट्रीय वायु एवं अंतरिक्ष खुफिया केंद्र की जानकारियों पर भी गौर कर रहे हैं। वायुसेना ने बाद में एक ट्वीट कर कहा कि हमारे सभी सैन्य एवं असैन्य कर्मचारी स्थिति के जल्द आकलन और त्वरित उचित कार्रवाई करने के लिए प्रशिक्षित हैं।

ओहियो के डेटन के कुछ ही दूर पूर्व में स्थित वायु सेना अड्डे को बंद किए जाने की घोषणा लाउडस्पीकरों के माध्यम से की गई। हवाई अड्डा प्रशासन ने कहा है कि वह ज्यादा जानकारी उपलब्ध होने पर इस संबंध में ब्योरे देगा।

कोरोना वायरस के डेल्टा स्वरूप के प्रसार को रोकने के लिए जो बाइडेन ने तैयार की कार्य योजना

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कोरोना वायरस के डेल्टा स्वरूप के प्रसार को रोकने के लिए एक नयी ''कार्य योजना'' पेश की है। यह कार्य योजना संघीय कर्मियों और अनुबंधकर्ताओं तथा कुछ खास स्वास्थ्य कर्मियों के लिए टीके की व्यवस्था करती है। इसके तहत 100 या इससे अधिक श्रमिकों वाली कंपनियों में साप्ताहिक रूप से टीकाकरण किया जाएगा या जांच की जाएगी। साथ ही, यह कार्य योजना टीके की एक बूस्टर खुराक अभियान के लिए जमीनी कार्य निर्धारित करेगी और यह इस बात की सिफारिश करती है कि बड़े समागम स्थलों पर टीकाकरण या नेगेटिव कोविड जांच के सबूत प्रस्तुत किये जाएंगे। योजना के मुख्य अंश हैं÷ टीका शासनादेश- -सभी संघीय कर्मी और अनुबंधकर्ता को सीमित अपवाद के साथ अवश्य टीकाकरण कराना होगा। -सौ या इससे अधिक श्रमिकों

वाले निजी नियोक्ताओं को साप्ताहिक रूप से टीकाकरण कराने या जांच कराने की व्यवस्था करनी होगी।

नियोक्ताओं को टीकाकरण के लिए अवश्य ही पारिश्रमिक युक्त अवकाश देना होगा। स्कूल एवं कार्यक्रम÷ -गर्वनरों से आग्रह किया जाएगा कि वे स्कूल जिला कर्मचारियों के लिए टीकाकरण की व्यवस्था करें। -स्टेडियम, समारोह भवन और बड़े कार्यक्रमों के लिए अन्य आयोजन स्थलों से टीकाकरण या नेगेटिव कोविड जांच के सबूत का आग्रह किया जाएगा। बूस्टरः -संघीय एजेंसियों को सुगमता से बूस्टर खुराक के लिए जमीनी कार्य करना होगा, जो 20 सितंबर वाले सप्ताह से शुरू किया जाएगा-बशर्ते कि खाद्य एवं औषधि प्रशासन बूस्टर खुराक के लिए मंजूरी प्रदान कर दे। मास्क एवं जांच÷ -अंतरराज्यीय यात्रा के लिए और संघीय भवनों में मास्क की जरूरत होगी। -वालमार्ट, एमेजॉन और क्रोगर घर पर कोविड जांच कराएंगे, जिसकी दर में करीब 35 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। कोविड देखभाल÷ पेंटागन (अमेरिकी रक्षा मंत्रालय) कोविड रोगियों से भरे स्थानीय अस्पतालों की मदद के लिए सैन्य मेडिकल टीमों की संख्या दोगुनी करेंगे। अर्थव्यवस्था÷ -महामारी से प्रभावित छोटे कारोबारों के लिए रिण की राशि मौजूदा पांच लाख डॉलर बढ़ा कर 20 लाख डॉलर की जाएगी।

9/11 हमले की 20वीं बरसी पर बॉक्सिंग रिंग में नजर आएंगे ट्रंप, कहा- बाइडेन को कुछ सेकेंड में ही कर दूंगा चित

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने बयानों की वजह से हमेशा से सुर्खियों में रहते हैं। अब ट्रंप एक बयान कि वजह से सुर्खियों में हैं जिसमें उन्होंने अमेरिकन राष्ट्रपति जो बाइडेन को कुछ सेकेंड में ही चित कर देने का दावा किया है। फ्लोरिडा में सेमिनोल हार्ड रॉक कैसीनो में हेवीवेट चैंपियन इवांडर होलीफील्ड और विटोर बेलफोर्ट के बीच मुक्केबाजी मुकाबले के लिए रिंगसाइड कमेंट्री की भूमिका में नजर आने वाले डोनाल्ड ट्रंप ने इस मुकाबले से पहले आयोजित किए गए प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अगर मुझे दुनिया में किसी मुक्केबाज को चुनना है तो मैं पेशेवर मुक्केबाजों को चुनुंगा। लेकिन अगर मुझे किसी से बॉक्सिंग करनी पड़ी तो मुझे लगता है कि शायद मेरी सबसे आसान लड़ाई जो बाइडेन से होगी। मैं उन्हें कुछ सेकेंड के भीतर हरा दूंगा। इस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप में साल 2018 में जो बाइडेन के एक बयान का जिक्र किया जिसमें उन्?होंने कहा था कि 'वह व्हाइट हाउस में अपने प्रतिद्वंदी को बुरी तरह हरा देते, अगर वो उनसे स्कूल में मिले होते तो।'' अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मुक्केबाजी के एक नुमाइशी मुकाबले में कमेंट्री करेंगे जिसमें पूर्व हैवीवेट चैम्पियन इवांडर होलीफील्ड भी शामिल होंगे। ट्रंप के साथ उनके बेटे डोनाल्ड जूनियर भी होंगे। हॉलीवुड में होने वाले इस मुकाबले की फीड एफआईटीई डॉट टीवी पर उपलब्ध होगी। पहले यह मुकाबला लॉस एंजिलिस में होना था जिसमें आस्कर डे ला होया को विटोर बेलफोर्ट का सामना करना था। डे ला होया के कोरोना संक्रमित होने के कारण ऐन मौके पर होलीफील्डको शामिल किया गया। होलीफील्ड की उम्र को देखते हुए कैलिफोर्निया राज्य एथलेटिक आयोग ने अनुमति देने से इनकाार कर दिया जिसकी वजह से अब मुकाबला फ्लोरिडा में हो रहा है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पीसकीपिंग ट्रांजिशन पर प्रस्ताव अपनाया

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने सर्वसम्मति से अपने शांति स्थापना परिवर्तन पर एक प्रस्ताव पारित किया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, संकल्प 2594, गुरुवार को अपनाया गया, जो शांति अभियानों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देता है और एकीकृत योजना और संक्रमण पर समन्वय में जल्द से जल्द संभव चरण में शांति अभियानों की आवश्यकता पर भी जोर देता है। साथ ही टिकाऊ होने के लिए, संक्रमण योजना प्रक्रिया को व्यापक चुनौतियों को ध्यान में रखना चाहिए, जिसमें स्थिरता, शासन और कानून के शासन के साथ-साथ राजनीतिक, आर्थिक, विकास, मानवीय और मानवाधिकार संदर्भ शामिल हो। यह संयुक्त राष्ट्र महासचिव से संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में बदलाव की योजना बनाने और मिशन संक्रमण रणनीतियों को विस्तृत करने का अनुरोध करता है। यह आगे अनुरोध करता है कि ये मिशन रणनीतियां सभी प्रासंगिक संयुक्त राष्ट्र हितधारकों के साथ-साथ स्पष्ट और यथार्थवादी बेंचमार्क और संकेतकों के लिए भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को स्पष्ट करती हैं, जो उन कारकों और स्थितियों को मापते हैं जो एक सफल और टिकाऊ संक्रमण सुनिश्चित करने के लिए पुनः संयोजन को प्रभावित कर सकते हैं। प्रस्ताव राष्ट्रीय सरकारों को शांति अभियानों के संक्रमण से पहले नागरिकों की सुरक्षा के लिए व्यापक राष्ट्रीय योजनाओं, नीतियों या रणनीतियों को विकसित करने और लागू करने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह जमीनी स्थिति पर सटीक और विश्वसनीय जानकारी और नागरिकों और संयुक्त राष्ट्र कर्मियों, परिसर और संपत्तियों के खिलाफ खतरों के यथार्थवादी मूल्यांकन के आधार पर स्पष्ट, प्राप्त करने योग्य, अनुक्रमित और प्राथमिकता वाले जनादेश प्रदान करने के महत्व पर बल देता है। यह महासचिव से सुरक्षा परिषद को एकीकृत, साक्ष्य-आधारित और डेटा-संचालित विश्लेषण, रणनीतिक मूल्यांकन और स्पष्ट सलाह प्रदान करने का अनुरोध करता है ताकि जमीन पर वास्तविकताओं के आधार पर मिशन संरचना और जनादेश का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक हो सके। संकल्प संक्रमण के दौरान नागरिकों की सुरक्षा के प्रयासों को समर्थन प्रदान करने के लिए आवश्यक क्षमताओं के साथ उचित रूप से कॉन्फिगर की गई संयुक्त राष्ट्र की उपस्थिति के महत्व को व्यक्त करता है। यह महासचिव और क्षेत्रीय मिशनों को आगे के विकास और प्रासंगिक संयुक्त राष्ट्र संक्रमण नीतियों और निर्देशों के कार्यान्वयन में संक्रमण से सीखे गए सबक पर आकर्षित करने और आगे महासचिव को संक्रमण प्रक्रियाओं की योजना और प्रबंधन को मजबूत करने के लिए जारी रखने और संक्रमण पर संगठनात्मक सीखने और मार्गदर्शन को और बढ़ाने के लिए कहता है। यह मानता है कि शांति निर्माण वित्तपोषण एक महत्वपूर्ण चुनौती बनी हुई है और शांति निर्माण गतिविधियों की दीर्घकालिक स्थिरता और निरंतरता का समर्थन करने के लिए, मिशन संक्रमण के दौरान, संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों को पर्याप्त रूप से संसाधन देने के महत्व को दोहराता है।

ऑस्ट्रेलिया ने महामारी के दौरान घरेलू हिंसा मामलों में वृद्धि दर्ज की

कैनबेरा (एजेंसी)।

क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (क्यूयूटी) के शोधकर्ताओं ने शुक्रवार को एक सर्वेक्षण प्रकाशित किया जिसमें बताया गया कि कैसे कोविड -19 महामारी ने ऑस्ट्रेलिया में घरेलू और पारिवारिक हिंसा को और अधिक गंभीर बना दिया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्ट्रेलियन जर्नल ऑफ सोशल इश्यूज में प्रकाशित, अध्ययन में कहा गया है कि घरेलू और पारिवारिक हिंसा श्रमिक क्षेत्र में 62 प्रतिशत तक बढ़ी है। इसके अलावा, 67 प्रतिशत श्रमिकों ने महामारी के दौरान पहली बार दुर्व्यवहार किया है। अध्ययन के प्रमुख लेखक, क्यूयूटी में शिक्षा और सामाजिक न्याय के प्रोफेसर केरी कैरिंगटन ने कहा कि निष्कर्ष पूरी तरह से आश्चर्यजनक नहीं थे। कैरिंगटन ने शुक्रवार को सिन्हुआ को बताया कि हमें उम्मीद थी कि लॉकडाउन की स्थिति किसी भी व्यक्ति के लिए कठिनाई पैदा करेगी। ऑस्ट्रेलियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमिनोलॉजी के एक सरकारी अध्ययन ने 2020 के मई में पूरे ऑस्ट्रेलिया में 15,000 महिलाओं का साक्षात्कार लिया, जिसमें पाया गया कि 11.6 प्रतिशत उत्तरदाताओं को किसी न किसी तरह के घरेलू शोषण का शिकार होना पड़ा। दो-तिहाई उत्तरदाताओं ने बताया कि कोविड-19 महामारी की शुरूआत के बाद से दुर्व्यवहार या तो शुरू हो गया था या बढ़ गया था। कैरिंगटन ने सिन्हुआ को बताया कि महामारी और आगामी लॉकडाउन के साथ इस वृद्धि के मेल के पीछे कई कारक हैं। महामारी ने ही असुरक्षा, वित्तीय नुकसान, नौकरियों के नुकसान और निश्चित रूप से परिवारों के भीतर तीव्र संघर्ष, बच्चों के घर, होम स्कूलिंग, भागने में असमर्थता को पैदा किया। एक तरह से उन्हें अपराधी के साथ बंद कर दिया गया था। कैरिंगटन ने कहा कि उनके निष्कर्षों का सबसे चौंकाने वाला हिस्सा यह था कि घरेलू हिंसा के अपराधी महामारी और अन्य स्वास्थ्य प्रतिबंधों को हथियार बना रहे थे। तस्मानिया में घरेलू पारिवारिक हिंसा सलाहकार के रूप में काम करने वाले एक गुमनाम प्रतिवादी ने कहा कि लॉकडाउन के समय पीड़ितों के समर्थन नेटवर्क अक्सर गंभीर रूप से कम हो जाते थे।

संयुक्त राष्ट्र के मंच से भारत ने तालिबान को लेकर कहा- अफगानिस्तान में स्थिति बेहद नाजुक

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में स्थिति को ''बेहद नाजुक'' बताते हुए भारत ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि तालिबान पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद समेत अन्य आतंकवादी संगठनों को अफगान सरजमीं का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों के लिए न करने देने के अपने वादे पर खरा उतरे। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति ने बृहस्पतिवार को अफगानिस्तान पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक चर्चा में कहा कि अफगानिस्तान का पड़ोसी होने के नाते भारत को पिछले महीने 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद की अपनी अध्यक्षता के दौरान परिषद में ठोस और दूरदर्शी प्रस्ताव पारित करने का सौभाग्य मिला। तिरुमूर्ति ने कहा, ''सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव में कहा गया है कि अफगान क्षेत्र का इस्तेमाल किसी भी देश को धमकाने या उस पर हमला करने या आतंकवादियों को पनाह देने या उन्हें प्रशिक्षित करने या उनके वित्त पोषण के लिए नहीं होना चाहिए।

जैसा कि पिछले महीने काबुल हवाईअड्डे पर आतंकवादी हमले में देखा गया तो आतंकवाद अफगानिस्तान के लिए अब भी एक गंभीर खतरा बना हुआ है। अत÷ यह महत्वपूर्ण है कि इस संबंध में की गयी प्रतिबद्धताओं का सम्मान किया जाए और उनका पालन किया जाए।'' सुरक्षा परिषद के 1267 प्रस्ताव के तहत लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के साथ ही हक्कानी नेटवर्क प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन हैं। जैश संस्थापक मसूद अजहर और लश्कर नेता हाफिज सईद वैश्विक आतंकवादियों की सूची में भी शामिल हैं। सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2593 में तालिबान के उस बयान पर गौर किया गया है कि अफगान नागरिक बिना किसी बाधा के विदेश यात्रा कर सकेंगे। तिरुमूर्ति ने कहा, ''हम उम्मीद करते हैं कि अफगान और सभी विदेशी नागरिकों के अफगानिस्तान से सुरक्षित बाहर निकलने समेत इन सभी प्रतिबद्धताओं का पालन किया जाएगा।'' तिरुमूर्ति ने कहा, ''अफगानिस्तान में हालात बेहद नाजुक बने हुए हैं। अफगानिस्तान का निकटम पड़ोसी और उसके लोगों का मित्र होने के कारण मौजूदा हालात का हमसे प्रत्यक्ष संबंध है।'' उन्होंने कहा कि अफगान लोगों के भविष्य के साथ ही पिछले दो दशकों में हासिल की गयी बढ़त के बने रहने को लेकर अनिश्चितताएं बनी हुई हैं। उन्होंने कहा, ''इस संदर्भ में हमारा मानना है कि अफगान महिलाओं की आवाज सुनी जाए, अफगान बच्चों की आकांक्षाओं को पूरा किया जाए और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा की जाए। हम तत्काल मानवीय सहायता मुहैया कराने और इस संबंध में संयुक्त राष्ट्र तथा अन्य एजेंसियों को बिना किसी बाधा के लोगों तक पहुंचने की अपील करते हैं।''

अमरूल्ला सालेह के भाई को तड़पाने के बाद तालिबान ने उतारा मौत के घाट

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान के कार्यवाहक राष्ट्रपति अमरूल्ला सालेह के बड़े भाई रोहुल्ला सालेह की तालिबान ने हत्या कर दी है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक तालिबान ने दरिंदगी की सारी हदें पार करते हुए रोहुल्ला सालेह की हत्या की है। आपको बता दें कि पंजशीर में तालिबान के खिलाफ अभी भी खूनी संघर्ष जारी है। इसी बीच तालिबान के चरमपंथियों ने रोहुल्ला सालेह को तड़पाने के बाद मौत के घाट उतार दिया।

धड़क रहा अफगान का दिल

तालिबान ने पंजशीर घाटी पर कब्जा करने का दावा किया है। जिसका नॉर्दन एलायंस और अमरूल्ला सालेह ने खंडन किया। अहमद मसूद के नेतृत्व वाली नॉर्दन एलायंस ने ट्विटर के माध्यम से जानकारी दी थी कि अफगानिस्तान का दिल अभी भी धड़क रहा है। काबुल में तालिबान की एंट्री के साथ ही राष्ट्रपति अशरफ गनी ने देश छोड़ दिया था। जिसके बाद अमरूल्ला सालेह ने खुद को कार्यवाहक राष्ट्रपति घोषित कर दिया और तालिबान के खिलाफ विद्रोह शुरू किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

गोरखपुर के जगदीशपुर गांव में बाढ़ ने तबाही मचाई, दर्जन भर मकान बहे

गोरखपुर (उत्तर प्रदेश)। राप्ती नदी के कटाव के कारण बढ़लगंज प्रखंड के जगदीशपुर गांव में बाढ़ से तबाही का आलम बना हुआ है और करीब दर्जन भर मकान बह गए हैं। गौरतलब है कि 1998 की बाढ़ के बाद से इस क्षेत्र में लगातार कटाव देखा जा रहा है और अधिकांश आबादी समय बीतने के साथ पहले ही सुरक्षित क्षेत्रों में चली गई थी। 2011 की जनगणना के अनुसार राप्ती नदी के तट पर स्थित जगदीशपुर गांव में 119 मकान हैं और गांव की आबादी 653 है। नदी के कटाव से विस्थापित हुए लोगों के पुनर्वास के लिए प्रशासन पहले से ही काम कर रहा है और जिलाधिकारी विजय किरण आनंद ने उप जिलाधिकारी को इस काम को जल्दी पूरा करने का निर्देश दिया है।

कश्मीर ग्रेनेड हमले में सीआरपीएफ जवान, महिला घायल

श्रीनगर। जम्मू एवं कश्मीर के श्रीनगर जिले में शुक्रवार को सुरक्षा बलों पर आतंकवादियों द्वारा किए गए ग्रेनेड हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक जवान और एक महिला घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि आतंकवादियों ने श्रीनगर के चानापोरा इलाके में 29 केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) बटालियन के मुख्यालय की ओर एक ग्रेनेड फेंका। ग्रेनेड फट गया, जिससे एक जवान और एक स्थानीय महिला घायल हो गई। पुलिस ने कहा, इलाके को तलाशी के लिए घेर लिया गया है। अतिरिक्त बल मौके पर पहुंच गए हैं और हमलावरों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है।

प्रतिज्ञा यात्रा निकालेगी यूपी कांग्रेस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस अगले साल की शुरूआत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले हम वचन निभाएंगे टैगलाइन के साथ कांग्रेस प्रतिज्ञा यात्रा निकालेगी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा दो दिवसीय यात्रा पर लखनऊ में हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि यात्रा 12,000 किलोमीटर की दूरी तय करेगी और सभी प्रमुख गांवों और कस्बों से होकर गुजरेगी। यात्रा की तारीख अभी तय नहीं है, हालांकि सूत्रों का कहना है कि इसके 2 अक्टूबर को गांधी जयंती से शुरू होने की संभावना है। यूपीसीसी की सलाहकार और राजनीतिक मामलों की समिति की एक बैठक को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि यात्रा राज्य भर में पार्टी कार्यकर्ताओं को जुटाएगी और लोगों के साथ संपर्क भी स्थापित करेगी। यात्रा के दौरान होने वाले कार्यक्रमों का फैसला चरणों में होगा। बाद में दिन में प्रियंका चुनाव समिति के साथ बैठक करेंगी और विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की चयन प्रक्रिया पर फैसला करेंगी।

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने छह फसलों के एमएसपी में बढ़ोतरी के लिए केंद्र का जताया शुक्रिया

चंडीगढ़ । हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने शुक्रवार को बुवाई का मौसम शुरू होने से पहले छह राबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी के लिए केंद्र सरकार को धन्यवाद दिया, जबकि आंदोलनकारी किसान संगठनों ने उनके राज्य के करनाल शहर में अपना विरोध जारी रखा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय किसानों की आय को दोगुना करने के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा देश का पहला ऐसा राज्य है जहां गन्ने की सबसे ज्यादा कीमत दी जा रही है। इस राज्य सरकार ने गन्ने के भाव में 12 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की है जिसके साथ कीमत 362 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ा दी गई है। यह रेट देश में सबसे ज्यादा और पड़ोसी पंजाब में दी जा रही कीमत से 2 रुपए ज्यादा है। खट्टर ने कहा कि छह राबी फसलों में एमएसपी 40 रुपये से बढ़ाकर 400 रुपये कर दिया गया है और कई फसलों में 100 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। करनाल आंदोलन पिछले साल केंद्र द्वारा पिछले तीन विवादास्पद कानूनों के खिलाफ किसानों द्वारा शुरू किए गए विरोध प्रदर्शन का दूसरा जत्था है। आंदोलन 26 नवंबर, 2020 को शुरू हुआ था।

इकबाल सिंह लालपुरा ने अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष का कार्यभार संभाला

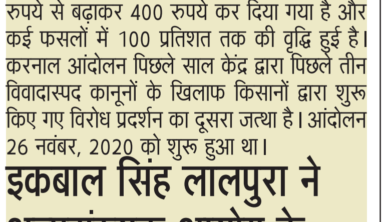

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा ने शुक्रवार को कार्यभार संभाल लिया। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी और आयोग के वरिष्ठ पदाधिकारियों की मौजूदगी में लालपुरा ने कार्यभार ग्रहण किया। इस मौके पर नकवी ने उम्मीद जताई कि लालपुरा सम्मान के साथ सशक्तीकरण से जुड़े प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा, ''मोदी जी ने समाज के सभी वर्गों के सशक्तीकरण के लिए जो फैसले किए, उसका असर दिखाई दे रहा है...सरकार बनने के बाद 1984 के दंगों के पीड़ितों के न्याय के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया गया। पीड़ितों को पांच-पांच लाख रुपये की सहायता राशि दी गई। गुनाहगारों को सजा मिलना भी शुरू हुई।'' उन्होंने बताया कि सरकार 'गुरुद्वारा सर्किट ट्रेन' आरंभ करने जा रही है जिसके तहत लोग महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों की यात्रा कर सकेंगे। लालपुरा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जो उन पर विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरने का वह पूरा प्रयास करेंगे। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी लालपुरा सिख समुदाय से दूसरे ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें 1992 में अल्पसंख्यक आयोग को वैधानिक शक्ति मिलने के बाद अध्यक्ष बनाया गया है। इससे पहले 2003 में तरलोचन सिंह अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष बने थे।

चंद्रयान-2 अंतरिक्ष यान के उपकरणों ने खोज श्रेणी के निष्कर्ष दिए: इसरो

बेंगलुरु (एजेंसी)।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के मुताबिक चंद्रयान-2 अंतरिक्षयान के उपकरणों ने खोज की श्रेणी में रखे जा सकने वाले निष्कर्ष दिए हैं। इस अंतरिक्षयान पर आठ वैज्ञानिक उपकरण या सामान ले जाए गए थे। इनमें चंद्रयान-2 लार्ज एरिया सॉफ्ट एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर (क्लास), सोलर एक्स-रे मॉनिटर (एक्सएसएम), चंद्र एटमॉस्फेरिक कंपोजिशन एक्सप्लोरर 2 (चास 2), डुअल फ्रीक्वेंसी सिंथेटिक अपर्चर रडार (डीएफएसएआर), इमेजिंग इंफ्रा-रेड स्पेक्ट्रोमीटर (आईआईआरएस), टेरेन मैपिंग कैमरा (टीएमसी 2), ऑर्बिटर हाई रेजोल्यूशन कैमरा (ओएचआरसी), और डुअल फ्रीक्वेंसी रेडियो साइंस (डीएफआरएस) प्रयोग उपकरण शामिल हैं।

इस सप्ताह की शुरुआत में, इसरो ने दो दिवसीय चंद्र विज्ञान कार्यशाला और चंद्रयान-2 आंकड़ों का विमोचन के रूप में चंद्र विज्ञान पर अपनी वैज्ञानिक चर्चा देश के लोगों, भारतीय शिक्षाविदों, संस्थानों, छात्रों और सभी विषयों एवं क्षेत्र के लोगों को'' शामिल करने के लिए शुरू की। कार्यशाला में चंद्रयान -2 अंतरिक्षयान के चंद्र कक्षा में दो साल पूरे होने का जश्न मनाया गया। कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम में आयोजित किए गए। अंतरिक्ष विभाग (डीओएस) में इसरो के अध्यक्ष एवं सचिव के. सिवन ने कार्यशाला का उद्घाटन किया और वैज्ञानिक समुदाय द्वारा उपयोग के लिए चंद्रयान-2 विज्ञान परिणामों एवं आंकड़ा उत्पादों पर दस्तावेज़ जारी किए। भारत की राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा, ÷चंद्र कार्यशाला ने चंद्रयान -2 द्वारा खोज-वर्ग के कई निष्कर्षों की बड़ी खबर दी।'' इसने कहा कि मास स्पेक्ट्रोमीटर चेस-2 ने एक ध्रुवीय कक्षीय मंच से चंद्रमा के बाहरी वातावरण की आवेशहीन संरचना का पहला यथास्थान (वहां मौजूद रहकर) अध्ययन करने के अपने प्रयास में, मध्य और उच्च अक्षांशों पर आर्गन-40 की परिवर्तनशीलता का पता लगाया और उसका अध्ययन किया।

क्लास उपकरण द्वारा चंद्रमा की सतह पर क्रोमियम और मैंगनीज की खोज की घोषणा की गई, जो थोड़ी मात्रा में उपलब्ध हैं। एक्सएसएम उपकरण द्वारा सूर्य के शांत रहने की अवधि के दौरान उसके माइक्रोफ्लेयर (सूर्य की अचानक तेज चमक) का अवलोकन किया गया जो सूर्य की कोरोना (सूर्य का बाहरी वायुमंडल) की ताप समस्या पर महत्वपूर्ण सुराग प्रदान करते हैं। इसरो ने कहा कि चंद्रयान-2 ने अपने इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोमीटर उपकरण आईआईआरएस की मदद से पहली बार चंद्रमा की जलयोजन विशेषताओं का पता लगाया जिसने चंद्रमा की सतह पर हाइड्रोक्सिल और पानी की बर्फ के स्पष्ट संकेतों को कैद किया है। डीएफएसएआर उपकरण चंद्रमा की उपसतह विशेषताओं का अध्ययन कर सकता है और ध्रुवीय क्षेत्रों में चंद्रमा की आकृति संबंधी विशेषताओं का हाई रेजोल्यूशन मानचित्रण करने में सफलता हासिल की। सिवन ने कहा, 'अवलोकन (चंद्रयान -2 यान उपकरणों के) दिलचस्प वैज्ञानिक परिणाम दे रहे हैं, जिन्हें सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित किया जा रहा है और अंतर्राष्ट्रीय बैठकों में भी प्रस्तुत किया जा रहा है।

ओडिशा विधानसभा ने जाति आधारित जनगणना की मांग का प्रस्ताव किया पारित

भुवनेश्वर (एजेंसी)।

ओडिशा विधानसभा ने गुरुवार को एक प्रस्ताव पारित कर राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग से केंद्र से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की आबादी की गणना के लिए जाति आधारित जनगणना कराने का अनुरोध किया। विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति विकास और अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री जगन्नाथ सरका ने प्रस्ताव पेश किया, जिसे विपक्षी भाजपा और कांग्रेस सदस्यों की अनुपस्थिति में पारित किया गया। उन्होंने कहा कि एससी और एसटी की आबादी 22.5 फीसदी और ओडिशा की पूरी आबादी का 16.25 फीसदी है, जबकि ओबीसी/एसईबीसी आबादी में शेष एक हिस्सा है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुसार, राज्य सरकार की मौजूदा आरक्षण नीति के अनुसार, अनुसूचित जाति के लिए 22.5 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के लिए 16.25 प्रतिशत और एसईबीसी लोगों के लिए 11.25 प्रतिशत आरक्षण है। सरका ने कहा, एसईबीसी के लिए आरक्षण उनकी आबादी के अनुपात में नहीं है। वे सरकारी नौकरियों और अन्य सुविधाओं में उपयुक्त आरक्षण पाने से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि राज्य प्रशासनिक न्यायाधिकरण, उड़ीसा उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय सहित विभिन्न निकायों ने विस्तृत वैज्ञानिक डेटाबेस की कमी के कारण राज्य आरक्षण नीति को रद्द कर दिया। राज्य मंत्रिमंडल के प्रस्ताव के आधार पर तत्कालीन मुख्य सचिव असित त्रिपाठी ने 13 जनवरी, 2020 को कैबिनेट सचिव को सामान्य जनगणना 2021 में एसईबीसी और ओबीसी वर्ग के लिए जनगणना कराने के प्रस्ताव पर विचार करने के लिए सूचित किया था।

दिग्विजय सिंह ने आरएसएस की तुलना तालिबान से की

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कामकाजी महिलाओं के बारे में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान के बाद कांग्रेस नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तुलना तालिबान से की। सिंह भागवत की उस टिप्पणी पर टिप्पणी कर रहे थे जिसमें उन्होंने कहा था कि पुरुष कमाने वाले हैं और महिलाएं गृहिणियां हैं।

दिग्विजय सिंह ने एक ट्वीट में कहा कि क्या कामकाजी महिलाओं पर तालिबान और आरएसएस के विचार समान नहीं हैं? इस हफ्ते यह दूसरी बार है जब आतंकी संगठन की तुलना आरएसएस से की गई है। सिंह ने गीतकार जावेद अख्तर का समर्थन और बचाव किया है और मंगलवार को संवाददाताओं से कहा कि सभी को बोलने की स्वतंत्रता है। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि उन्होंने किस संदर्भ में ऐसा कहा था। लेकिन हमारे संविधान ने हमें खुद को व्यक्त करने का अधिकार दिया है। दिग्विजय आरएसएस के कटु आलोचक हैं। वह अधिकतर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की आलोचना करते रहे हैं और आरोप लगाते है कि संगठन झूठ और नकली आख्यान फैलाकर हिंदू और मुस्लिम समुदायों को विभाजित कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब हिंदुओं और मुसलमानों का डीएनए एक है तो लव जिहाद जैसे मुद्दे क्यों उठाए गए? डीएनए स्टेटमेंट भी मोहन भागवत ने ही दिया था। रिपोर्टें के अनुसार, बॉलीवुड-गीतकार अख्तर ने कहा था कि उन्होंने तालिबान और आरएसएस के बीच एक असाधारण समानता देखी, जैसे जैसे तालिबान एक इस्लामिक स्टेट चाहता है, वैसे ही भारत में आरएसएस हिंदू राष्ट्र चाहते हैं।

मायावती ने मुख्तार अंसारी का टिकट काटा, एआईएमआईएम ने कहा- हम देंगे टिकट

लखनऊ (एजेंसी)।

बसपा प्रमुख मायावती ने शुक्रवार को घोषणा की कि जेल में बंद मुख्तार अंसारी को आगामी विधानसभा चुनाव में मऊ से पार्टी का प्रत्याशी नहीं बनाया जाएगा। इससे कुछ दिनों पहले ही उन्होंने कहा था कि अब वह मूर्तियों और स्मारकों के निर्माण का प्रयास नहीं करेंगी, बल्कि कानून का शासन स्थापित करके उत्तर प्रदेश का चेहरा बदलने पर ध्यान केंद्रित करेंगी। उधर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने से कहा, अगर मुख्तार अंसारी उनकी पार्टी से संपर्क करेंगे तो वह उन्हें आगामी विधानसभा चुनाव में टिकट देगी और चुनाव जिता कर भी लायेगी क्योंकि अदालत ने उन्हें अब तक अपराधी नही माना हैं।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने शुक्रवार को कहा कि बसपा अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव में 'बाहुबली' अथवा माफिया आदि को उम्मीदवार नहीं बनाने के प्रयास करेगी और इसी के साथ उन्होंनेविभिन्न आपराधिक मामलों में जेल में बंद मुख्तार अंसारी को मऊ से दोबारा पार्टी का टिकट नहीं देने की घोषणा की। मायावती ने कहा कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भीम राजभर मऊ सीट से चुनाव लड़ेंगे। अंसारी मऊ से पांच बार के विधायक हैं, अप्रैल में उन्हें उच्च पुलिस सुरक्षा में पंजाब की रोपड़ जेल से वापस उत्तर प्रदेश लाया गया और इस समय वह बांदा की जेल में बंद हैं। बसपा प्रमुख ने यह घोषणा मुख्तार के भाई सिगबतुल्लाह अंसारी के समाजवादी पार्टी में शामिल होने के कुछ दिन बाद की है। मायावती ने शुक्रवार को ट्वीट किया,'' बसपा का अगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में प्रयास होगा कि किसी भी बाहुबली व माफिया आदि को पार्टी से चुनाव न लड़ाया जाए। इसके मद्देनजर ही आजमगढ़ मण्डल की मऊ विधानसभा सीट से अब मुख्तार अंसारी का नहीं बल्कि बसपा के प्रदेश अध्यक्ष भीम राजभर का नाम तय किया गया है।''

उन्होंने कहा, ''जनता की कसौटी व उसकी उम्मीदों पर खरा उतरने के प्रयासों के तहत लिए गए इस निर्णय के फलस्वरूप पार्टी प्रभारियों से अपील है कि वे पार्टी उम्मीदवारों का चयन करते समय इस बात का खास ध्यान रखें ताकि सरकार बनने पर ऐसे तत्वों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करने में कोई भी दिक्कत न हो।'' मायावती ने कहा, ''बसपा का संकल्प 'कानून द्वारा कानून का राज' के साथ राज्य की तस्वीर बदलने का है ताकि प्रदेश व देश ही नहीं बल्कि बच्चा-बच्चा कहे कि सरकार हो तो बहनजी की 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' जैसी।'' मुख्तार अंसारी का बसपा से टिकट कटने की घोषणा के बाद शौकत अली ने 'भाषा' से की गई बातचीत में कहा, अगर मुख्तार अंसारी उनकी पार्टी से संपर्क करेंगे तो वह उन्हें आगामी विधानसभा चुनाव में टिकट देंगे और चुनाव जिता कर भी लायेंगे, क्योंकि अभी उन्हें अदालत ने अपराधी नहीं माना हैं। उन्होंने कहा, ''बसपा अध्यक्ष मायावती को अब मुख्तार अंसारी अपराधी लग रहा है, जब 2017 में अंसारी को बसपा ने टिकट दिया था तो क्या उन पर मुकदमे नहीं थे? अगर तब मुकदमे के बावजूद मुख्तार को टिकट दिया गया तो आखिर इस बार क्यों नहीं?'' अली ने कहा,'' अभी मुख्तार अंसारी पर दर्ज मुकदमों में अपराध सिद्ध नहीं हुआ हैं, इसलये अगर वह एआईएमआईएम से आागामी विधानसभा चुनाव में टिकट मांगेंगे तो पार्टी उन्हें टिकट देगी। उनकी पसंद की सीट से टिकट दिया जाएगा। अगर उन्होंने मऊ से टिकट मांगा तो वहां से टिकट दिया जायेगा और चुनाव जिता कर हम लायेंगे। ''

अन्नाद्रमुक, पीएमके ने आरएन रवि को बधाई दी, कांग्रेस ने केंद्र की मंशा पर जताया शक

चेन्नई (एजेंसी)।

विपक्षी दल अन्ना द्रमुक और पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) ने तमिलनाडु का राज्यपाल नियुक्त होने पर आरएन रवि को शुक्रवार को बधाई दी,वहीं कांग्रेस की प्रदेश इकाई ने इस कदम पर केंद्र की 'मंशा' पर संदेह जताते हुए पूछा कि क्या यह एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रमुक सरकार को निशाना बनाने की कोशिश है। तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के एस अलागिरि ने कहा कि पड़ोसी राज्य पुडुचेरी में जब कांग्रेस सत्ता में थी तो भारतीय पुलिस सेवा की पूर्व अधिकारी किरण बेदी को वहां उपराज्यपाल बनाया गया और उन्होंने ''कई रोड़े अटकाए'' जिसके बाद वहां ''कई कल्याणकारी योजनाएं लागू नहीं की जा सकी।''

अन्ना द्रमुक के शीर्ष नेता ओ पनीरसेल्वम और के. पलानीस्वामी ने रवि को बधाई दी। पार्टी के समन्वयक पनीरसेल्वम ने एक बयान में कहा, ''अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम की ओर से मैं सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी टी आर एन रवि की तमिलनाडु के राज्यपाल के तौर पर नियुक्ति का स्वागत करता हूं जिन्होंने नगा शांति वार्ता में अहम भूमिका निभायी।'' उन्होंने कहा, ''उनकी नियुक्ति से निश्चित तौर पर तमिलनाडु के विकास को काफी हद तक बढ़ावा मिलेगा। मैं उनकी सफलता की कामना करता हूं।'' पीएमके संस्थापक एस. रामदास ने रवि को बधाई दी और राज्य के विकास में उनसे सहयोग मांगा।

अलागिरि ने एक बयान में कहा कि रवि की ''पुलिस की पृष्ठभूमि'' है और वह नगालैंड का राज्यपाल नियुक्त किए जाने से पहले उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार भी रहे हैं। उन्होंने कहा, ''तमिलनाडु के राज्यपाल के तौर पर उनकी नियुक्ति के पीछे की मंशा पर शक है।'' पुडुचेरी में बेदी के कार्यकाल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बेदी ने वहां लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार के ''खिलाफ'' काम किया और लोगों की नाराजगी मोल ली। उन्होंने कहा, ''तमिलनाडु के राज्यपाल के तौर पर एक सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी की नियुक्ति ने संदेह पैदा कर दिया है। मुझे शक है कि क्या आरएन रवि को मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के लिए समस्याएं खड़ी करने के वास्ते नियुक्त किया गया है।

शिमला के लिए बल्क जलापूर्ति योजना को मिली वन स्वीकृति: शहरी विकास मंत्री सुरेश भारद्वाज

शिमला ।(एजेंसी)।

शहरी विकास मंत्री सुरेश भारद्वाज ने आज यहां शिमला के लिए बल्क जलापूर्ति योजना को भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान करने के लिए केन्द्र सरकार का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने यह भी जानकारी दी कि इस योजना के लिए भारत सरकार द्वारा काफी कम समय में वन स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस कार्य में योगदान के लिए प्रदेश के वन विभाग और शिमला जल प्रबंधन निगम लिमिटेड (एसजेपीएनएल) के सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी बधाई दी।

उन्होंने कहा कि शिमला शहर को 24 घंटे जलापूर्ति प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता है। शिमला के पांच वार्डों में इस वर्ष के अन्त तक 24 घंटे जलापूर्ति शुरू हो जाएगी। सुरेश भारद्वाज ने कहा कि शहरी विकास विभाग द्वारा विश्व बैंक और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के साथ नेगोशिएशन पैकेज के प्रारूप को मंजूरी प्रदान की गई है, जिससे ग्रेटर शिमला क्षेत्र में जल आपूर्ति योजना सेवाओं में सुधार के लिए शिमला जलापूर्ति एवं सीवरेज सेवा वितरण कार्यक्रम के वित्तपोषण के लिए विश्व बैंक के माध्यम से 250 मिलियन डॉलर (1813 करोड़ रुपये) का वित्त पोषण किया जा सके। कुल 250 मिलियन डॉलर में से विश्व बैंक 160 मिलियन डॉलर (1160.32 करोड़ रुपये) की वित्तीय सहायता प्रदान करेगा और शेष राशि 90 मिलियन डॉलर (652.68 करोड़ रुपये) का वहन हिमाचल सरकार द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस योजना में शिमला जिले की सुन्नी तहसील के शकरोड़ी गांव के पास सतलुज नदी से पानी उठाने की योजना बनाई गई है जिसमें संजौली में 1.6 किलोमीटर की ऊंचाई तक उठाने और 22 कि.मी. की पाइप बिछाने से 67 एमएलडी पानी की वृद्धि शामिल है। इस योजना के अन्तर्गत नगर निगम शिमला में वितरण पाइप नेटवर्क को सप्ताह भर 24 घंटे जलापूर्ति प्रणाली में स्तरोनन्त करने का भी प्रावधान है। इसके अतिरिक्त, शिमला के मैहली, पंथाघाटी, टुटू और मशोबरा क्षेत्रों में मलनिकासी प्रणाली प्रदान की जाएगी।

अरविंद केजरीवाल के वादे पर फैसला लेने के लिये दिल्ली सरकार को मिला समय

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को दिल्ली सरकार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की उस घोषणा को लागू करने पर फैसला करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया, जिसमें कहा गया था कि अगर कोई गरीब किरायेदार कोविड-19 महामारी के दौरान किराया देने में असमर्थ है, तो सरकार इसका भुगतान करेगी। दिल्ली सरकार के वकील गौतम नारायण ने न्यायमूर्ति रेखा पल्ली से कहा कि मामला विचाराधीन है। उन्होंने इस संबंध में किसी निष्कर्ष पर पहुंचने के लिये दो सप्ताह का समय मांगा।

दरअसल, अदालत ने दिल्ली सरकार को इस मामले पर छह सप्ताह में निर्णय लेने का निर्देश दिया था, लेकिन सरकार आदेश पर अमल नहीं कर पाई। इसके बाद इस संबंध में सरकार पर जानबूझकर अदालत की अवमानना का आरोप लगाते हुए एक याचिका दाखिल की गई, जिसपर न्यायमूर्ति पल्ली सुनवाई कर रही थीं। अदालत ने 22 जून को फैसला सुनाया था कि

मुख्यमंत्री के इस वादे पर अमल किया जाना चाहिये। उसने आम आदमी पार्टी सरकार को केजरीवाल की घोषणा पर छह सप्ताह के भीतर फैसला करने का निर्देश दिया था। दैनिक वेतन भोगी और श्रमिक होने का दावा करने वाले याचिकाकर्ताओं ने पिछले साल 29 मार्च को संवाददाता सम्मेलन के दौरान केजरीवाल द्वारा किए गए वादे को लागू करने की मांग की है। अधिवक्ता गौरव जैन के माध्यम से दाखिल की गई याचिका में कहा गया है, ÷6 सप्ताह की समयसीमा 02.09.2021 को समाप्त हो गई। लेकिन, दिल्ली सरकार ने अभी तक उपरोक्त निर्देश का पालन नहीं किया है। नजमा (याचिकाकर्ता-1), करण सिंह (याचिकाकर्ता-4), रेहाना बीबी (याचिकाकर्ता-5) के 29.08.2021 और 30.08.2021 के अनुरोधों का कोई जवाब नहीं दिया गया। याचिका में कहा गया है कि जब तक कोई निर्णय नहीं लिया जाता है, तब तक किराए के भुगतान पर स्पष्ट नीति नहीं बनाई जा सकती। याचिका के अनुसार, प्रतिवादी ने जानबूझकर अदालत के आदेश/निर्देश का पालन न करके अवमानना भी की है। अदालत ने 89 पृष्ठों के निर्णय में कहा था, 'महामारी और प्रवासी मजदूरों के बड़े पैमाने पर पलायन के कारण घोषित तालाबंदी की पृष्ठभूमि में जानबूझकर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिए गए एक बयान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।सरकार को उचित शासन के लिए मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए आश्वासन पर निर्णय लेने की आवश्यकता होती है, उसपर नाकामी जाहिर नहीं की जा सकती। मामले पर अगली सुनवाई 27 सितंबर को होगी।

'दुआरे सरकार' शिविरों में अभी तक तीन करोड़ से अधिक लोग आए: ममता बनर्जी

कोलकाता (एजेंसी)।

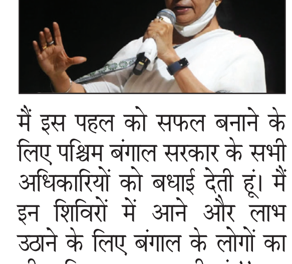

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में चल रहे 'दुआरे सरकार' शिविरों में अभी तक तीन करोड़ से अधिक लोग विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने पहुंचे हैं। यह लोगों तक पहुंचने के लिए राज्य सरकार का एक अभियान है। 'दुआरे सरकार' (आपके द्वार सरकार) के दूसरे संस्करण की शुरुआत 16 अगस्त को की गई थी और यह 15 सितंबर तक चलेगा। बनर्जी ने लोगों का शिविरों में आने और उनके उचित प्रबंधन के लिए सरकारी अधिकारियों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने ट्वीट किया, ''यह बताते हुए काफी खुशी हो रही है कि 16 अगस्त से अभी तक 'दुआरे सरकार' शिविरों में तीन करोड़ से अधिक लोग आ चुके हैं। मैं इस पहल को सफल बनाने के लिए पश्चिम बंगाल सरकार के सभी अधिकारियों को बधाई देती हूं। मैं इन शिविरों में आने और लाभ उठाने के लिए बंगाल के लोगों का भी शुक्रिया अदा करती हूं।'' इन शिविरों में आने वाले लोगों ने सबसे अधिक सरकारी योजना 'लक्ष्मी भंडार' और 'स्वास्थ्य साथी' का लाभ उठाया। 'लक्ष्मी भंडार' योजना के तहत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के प्रत्येक परिवार की महिलाओं के लिए 1,000 रुपये और सामान्य वर्ग के लिए 500 रुपये की मासिक सहायता का आश्वासन दिया गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

हीरा व्यापारी के घर 600 करोड़ से भी अधिक कीमत की गणेश प्रतिमा की स्थापना

क्रांति समय दैनिक समाचार
सूरत। गुजरात समेत देशभर में आज से गणेशोत्सव का प्रारंभ हो गया है। गणेशोत्सव के अवसर पर खासकर गुजरात और महाराष्ट्र के घर घर में गणेशजी की प्रतिमा स्थापित की जाती है। सार्वजनिक गणेश पंडालों में अलग अलग थीम पर गणेश जी की प्रतिमा स्थापित की जाती है। सूरत में एक हीरा व्यापारी ने अपने घर में दुनिया की सबसे महंगी गणेश जी की प्रतिमा की स्थापना की है। इस प्रतिमा कीमत रु ६०० करोड़ से भी अधिक बताई जाती है और इसे वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड ने विश्व की सबसे यूनिक बताया है। सूरत के हीरा व्यापारी कनुभाई असोदरिया के पास रफ डायमंड है, जिसका आकार गणेश जी

जैसा है। असोदरिया हर साल अपने घर में गणेश जी बहुमूल्य प्रतिमा की अपने घर में स्थापना करते हैं। हांलाकि कनुभाई असोदरिया गणेश जी की प्रतिमा की कीमत नहीं बताते। असोदरिया का कहना है कि उनके लिए गणेश प्रतिमा बहुमूल्य है। गणेश जी की प्रतिमा रफ डायमंड की है, जिसका वजन १८२.५३ कैरेट है और ३६.५ ग्राम वजन है। इस गणेश प्रतिमा के आगे कोहीनूर हीरा भी फिका है। कोहीनूर १०५ कैरेट का हीरा है जबकि हीरा व्यापारी के पास जो गणेश जी की प्रतिमा है, वह १८२.५३ कैरेट की है। बताया जाता है कि २५ देशोंके महत्वपूर्ण लोगों के पास इस गणेश प्रतिमा की तस्वीर है। अमेरिका के केलिफोर्निया स्थित मंदिर में गणेश प्रतिमा की तस्वीर लगाई गई है। भारतीय मूल की अमेरिका की उप राष्ट्रपति कमला हेरिस सूरत के कनुभाई असोदरिया के घर में बिराजमान गणेश जी की दर्शन करने की इच्छा दर्शाई है। कनुभाई असोदरिया ने आज बहुमूल्य गणेश जी की प्रतिमा की आज गणेश चतुर्थी के अवसर पर अपने घर में स्थापना की है।

सूरत के पांडेसरा में चोर को पकड़ने के प्रयास में युवक की मौत, हत्यारे को पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक समाचार
सूरत के पांडेसरा इलाके में मासूम की हत्या कर दी गई, जिसमें चोरी करने आए एक आरोपी को पकड़ने के प्रयास में एक युवक की मौत हो गयी. पकड़े जाने के डर से जब चोर ने धारदार हथियार से हमला कर दिया तो युवक की दर्दनाक मौत हो गई।आखिरकार क्राइम ब्रांच पुलिस ने घंटों के भीतर ही आरोपी को दबोच लिया और वह आदतन अपराधी है।

सूरत के पांडेसरा इलाके में एक घर में सेंधमारी करने आए चोरों को डर था कि उनकी चोरी अब घरवाले पकड़ लेंगे. जब वे भाग रहे थे तभी घर से एक युवक उनका पीछा कर रहा था। पकड़े जाने के डर से एक चोर ने धारदार हथियार से हमला कर दिया तो युवक की दर्दनाक मौत हो गई। पांडेसरा क्षेत्र में एक अन्य मामले में मासूम की हत्या कर दी गई जिसमें चोरी करने आए आरोपी को पकड़ने के प्रयास में एक युवक की मौत हो गयी.

सूरत के पांडेसरा इलाके में मणिनगर सोसाइटी के रहने वाले वीरेंद्र गुप्ता पान गला चलाकर अपना गुजारा करते हैं. वीरेंद्र अपने दो अन्य भाइयों के साथ वहीं रहता है। इसी बीच दोपहर करीब तीन बजे एक अज्ञात युवक चोरी करने के लिए उनके घर में घुस गया, हालांकि तीनों भाई जाग गए और चोर ने भागने की कोशिश की. तीनों फरार आरोपित को पकड़ने के लिए दौड़ पड़े। इस बीच वीरेंद्र ने आरोपी को दौड़ा लिया। हालांकि आरोपी ने वीरेंद्र को हाथ से छुड़ाने के लिए धारदार हथियार से हमला कर दिया। और वहां से भाग गए। बाद में दोनों भाई घायल भाई को १०८ के माध्यम से इलाज के लिए सिविल अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हत्यारा कैसे पकड़ा गया?
घटना की सूचना मिलते ही पांडेसरा पुलिस और एक वरिष्ठ अधिकारी की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. फिलहाल पुलिस ने आसपास के सभी सीसीटीवी की जांच शुरू कर दी है।आखिरकार सूरत क्राइम ब्रांच के पीएसआई दस्ते को सूचना मिली कि हत्या और चोरी को अंजाम देने वाला आरोपी पांडेसरा इलाके का है। जिसके आधार पर रोहित उर्फ जड़िया ने सुरेंद्र पाठक को गिरफ्तार कर लिया और हत्या के आरोप में जमानत पर रिहा होने के बाद घटना को अंजाम दिया. इसलिए क्राइम ब्रांच ने उसे गिरफ्तार कर लिया और आगे की जांच शुरू कर दी।

आरोपी का नाम रोहित उर्फ जड़िया सुरेंद्र पाठक फरार होने का आरोप
(१) पांडेसरा पोस्ट (चोरी)
(२) पोदेसरा पोस्ट (हत्या और चोरी)
आरोपी का आपराधिक इतिहास
(१) खातोदरा पोस्ट (चोरी)
(२) पांडेसरा पोस्ट (दंगा-झगड़े)
(३) पांडेसरा पोस्ट (दंगा-झगड़े)
(४) पांडेसरा पोस्ट (हत्या)
(५) पांडेसरा पोस्ट। स्टे (एनसी शिकायत)

हम हिंदू लड़कियों को फंसाने और उनके साथ भागने वालों से सख्ती से निपट रहे हैं - रूपाणी

क्रांति समय दैनिक समाचार
अहमदाबाद,गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा है कि उनकी सरकार उन लोगों से सख्ती से निपट रही है जो हिंदू लड़कियों को फंसाते हैं और गौ हत्या करते हैं।

अहमदाबाद के वसिहनोदेवी सर्किल क्षेत्र में मालधारी समुदाय, जिनका पारंपरिक व्यवसाय पशु-पालन है, की एक सभा को संबोधित करते हुए, रूपाणी ने कहा कि राज्य में भाजपा सरकार ने भी गोहत्या में शामिल लोगों पर सख्त कार्रवाई की है।

उन्होंने कहा, 卐मेरी सरकार सख्त प्रावधानों के साथ कई कानून लाई। चाहे गायों को वध से बचाने के लिए कानून हो, भूमि हथियाने को रोकने के लिए कानून हो या चेन-स्नैचिंग में शामिल लोगों को दंडित करने के लिए कानून हो।卐 उन्होंने कहा, 卐हम 'लव जिहाद' को रोकने के लिए

एक कानून भी लाए। हम हिंदू लड़कियों को फंसाने और उनके साथ भागने वालों से सख्ती से निपट रहे हैं।卐

मुख्यमंत्री रायका एजुकेशन चैरिटेबल ट्रस्ट के नियोजित भवन का शिलान्यास करने के बाद बोल रहे थे। गुजरात धार्मिक स्वतंत्रता (संशोधन) अधिनियम, २०२१, जिसे अप्रैल में विधानसभा द्वारा पारित किया गया था और १५ जून को अधिसूचित किया गया था, विवाह के माध्यम से जबरन या 'धोखाधड़ी' धर्मांतरण के लिए कड़ी सजा का प्रावधान करता है। पिछले महीने गुजरात उच्च न्यायालय ने कानून की कुछ विवादास्पद धाराओं पर रोक लगा दी थी।

सिलाई मशीन की मरम्मत करने आए शख्स ने विवाहिता से किया दुष्कर्म, गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक समाचार
अहमदाबाद,शहर के रामोल क्षेत्र में सिलाई मशीन की मरम्मत करने आए शख्स ने घर में महिला को अकेली देख उसके साथ दुष्कर्म किया। विवाहिता स्थानीय पुलिस थाने में महेश कुंडा नामक परिचित शख्स के खिलाफ दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। महिला आरोप है कि महेश कुंडा जब सिलाई मशीन रिपेर करने

रामोल पुलिस ने पीड़ित महिला की शिकायत के आधार पर आरोपी शख्स को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक रामोल क्षेत्र में रहनेवाली आया तब वह घर में अकेली थी। जिसका फायदा उठाकर महेश ने उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला की शिकायत पर पुलिस आरोपी महेश कुंडा को गिरफ्तार कर लिया और पीड़िता की मेडिकल जांच करवा कर मामले की जांच शुरू की है। पुलिस की जांच में पता चला कि पीड़िता और आरोपी सुरेलिया क्षेत्र में आसपास रहते थे, जिसकी वजह से दोनों एक-दूसरे को जानते थे।

आरोपी सिलाई मशीन का जानकार होने से पीड़िता की सासु ने उसे अपने घर की मशीन रिपेर करने के लिए बुलाया था।

महेश कुंडा जब मशीन रिपेर करने घर पहुंचा तब विवाहिता अकेली थी और एकांत फायदा उठाकर उसने पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया।

किसी भी राज्य के विकास की मूलभूत जरूरत है सामाजिक समरसता: मुख्यमंत्री

- रायका एजुकेशन चेरिटेबल ट्रस्ट के शैक्षणिक संकुल के भूमिपूजन समारोह में उपस्थित रहे विजय रूपाणी
- १९वीं सदी बाहुबल की, २०वीं सदी पूंजी की, तो २१वीं सदी ज्ञान की सदी है: गृह राज्य मंत्री

क्रांति समय दैनिक समाचार
मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि सामाजिक समरसता किसी भी राज्य के विकास की मूलभूत जरूरत है। गुजरात सरकार सभी समाजों को साथ लेकर चलने में भरोसा रखती है, परिणामस्वरूप सभी समाजों के समर्थन और सहयोग से गुजरात सामूहिक निर्णय प्रक्रिया के जरिए विकास के मार्ग पर अग्रसर है। यह बात उन्होंने शुक्रवार को अहमदाबाद के वैष्णो देवी सर्कल के पास रायका एजुकेशन चेरिटेबल ट्रस्ट के शैक्षणिक संकुल के भूमिपूजन के अवसर पर विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए कही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सुशासन को लेकर गुजरात सरकार की कटिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी सरकार पारदर्शी और निर्णायक होने के साथ ही संवेदनशील भी है और इसलिए ही हमें व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। रूपाणी ने समाज में शिक्षा की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि गुजरात सरकार ज्ञानवान समाज के निर्माण को प्रतिबद्ध है, इसीलिए राज्य सरकार ने शिक्षा के लिए बजट में ३५ हजार करोड़ रूपए से अधिक राशि आवंटित की है। उन्होंने शिक्षा के प्रति राज्य सरकार के दृष्टिकोण पर रोशनी डालते हुए आंकड़ों के जरिए बताया कि जब नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभाला था, तब राज्य में केवल ९ यूनिवर्सिटियां अस्तित्व में थी जबकि आज उनकी संख्या बढ़कर ८० हो गई है। उन्होंने कहा कि गुजरात के युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही उच्च शिक्षा मिल सके और उन्हें अन्य राज्यों एवं देशों में न जाना पड़े उसके लिए उच्च शिक्षा के दायरे में वृद्धि की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सरकार मजबूत भी है और संवेदनशील भी। इस संबंध में उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जिस तरह इनसानों के लिए १०८ एंबुलेंस सेवा उपलब्ध है, उसी तरह गुजरात में पशुओं के लिए १९६२ एंबुलेंस सेवा उपलब्ध है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में मूक पशुओं के उपचार के लिए ४५० से अधिक चलती-फिरती पशु डिस्पेंसरी की शुरूआत की है। उन्होंने इस अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव का स्मरण करते हुए कहा कि हमारे स्वाधीनता सेनानियों ने अपने बलिदान से हमें यह अनमोल आजादी दिलाई है, तब यह जरूरी है कि हम राष्ट्र के प्रति त्याग और समर्पण का भाव विकसित कर राष्ट्रसेवा को संकल्पबद्ध बनें। रूपाणी ने रबारी समाज में शिक्षा को लेकर पैदा हुई चेतना के संबंध में खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि रबारी समाज अब शिक्षा की ओर अभिमुख हुआ है, तब राज्य सरकार का भी कर्तव्य है कि वह उसे मदद करे। मुख्यमंत्री ने रबारी समाज के गौरवशाली इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि गोपालक गाय माता की भक्तिके व्यवसाय से जुड़े हैं और गाय माता की रक्षा एवं पूजा उनके संस्कार में समाहित हैं। इस संस्कार व परंपरा के कारण ही समाज प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com